कार्तिक शुक्ल पक्ष -7, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 114 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
28 अक्टूबर 2025 मंगलवार

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

आज का मौसम
22 अधिकतम
17 न्यूनतम

Page-7

सरकार की नाकामियों को भुनाने कांग्रेस कितनी है तैयार?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

मध्यप्रदेश में 2028 के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए कांग्रेस अभी से जुट गई है। यह उसके लिए शुभ संकेत हैं। ताजा सियासी और प्रशासनिक फलक के हालात के चलते भाजपा के खिलाफ जिस तरह का नकारात्मक माहौल बन रहा है ,उसको अपने पक्ष में भुनाना ही कांग्रेस का असली इम्तिहान होगा।

प्रदेश में मिशन 2028 को परवान चढ़ाने के लिए कांग्रेस के दो लक्ष्य हैं। पहला तो चुनाव जीतने के लिए पचमढ़ी में संगठन की मजबूती के लिए प्रशिक्षण के जरिए जतन और दूसरा, सड़कों पर लड़ाई के लिए हर विधानसभा क्षेत्र से 25-25 हजार लोगों से सौ-सौ रूपए जुटाने का कठिन परिश्रम। जहां तक प्रशिक्षण की बात है तो कांग्रेस के नए नवेले 71 जिला अध्यक्षों के साथ ही टीम जीतू पटवारी के सदस्यों को पार्टी के सांगठनिक ढांचे को मजबूती करने के लिए विचार प्राप्त करना है। दो से 11 नवंबर के बीच जीतू की टीम को राहुल गांधी ब्रिगेड के नजदीकी साथियों के साथ ÷वामपंथी कांग्रेसी ÷ सोच के सांचे में ढलने की प्रक्रिया से गुजरना है। यह बात अलग है कि जो प्रशिक्षण देने वाले चुने गए हैं उनमें से ज्यादातर ऐसे हैं जो न खुद चुनाव जीतने का माद्दा रखते हैं और न उनमें प्रशांत किशोर जैसे चुनावी

रणनीतिकार वाली काबलियत है।

गौरतलब है कि प्रशिक्षण शिविर के अंत में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे की समापन समारोह में तकरीरों के पहले राहुल की कोर मंडली के सदस्यों के रूप में मप्र के प्रमुख कांग्रेसी नेताओं और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को केसी वेणुगोपाल , जयराम रमेश, पवन खेड़ा, सचिन राव , सुप्रिया सुनेत और शशिकांत सेंथिल जैसे नेताओं से चुनावी राजनीति का ककहरा सीखना है। अगर इनमें से ज्यादातर की बात करें तो खबरिया चैनलों पर उनकी मुखरता काकोई सानी नहीं है। अच्छे-अच्छों की बोलती बंद करने का दम वो रखते हैं। लेकिन कई मौकों पर भाजपाई प्रवक्ताओं की टोली के सामने उनका कमजोर होमवर्क या तथ्यात्मक दलीलों की कमी भी दिखती है। उनके कुतर्क जनता के गले नहीं उतार पाते।

लेकिन, वे राहुल गांधी के सबसे प्रियजनों में शुमार हैं तो कांग्रेस में बने रहने या कांग्रेस में रहकर कुछ बनने के लिए उनकी तो सुनना ही पड़ेगी।

कांग्रेस ने पचमढ़ी को 'ब्रेन सेंटर' के बतौर चुना है। दिमाग को झकझोर देने वाले ' ब्रेन स्टार्मिंग' सेशन के अधिकांश कोच जमीनी घोड़ों के बजाए कागजी शेर ज्यादा हैं। दस दिनी शिविर के अंतिम दौर में राहुल गांधी और कांग्रेस के मुखौटा अध्यक्ष खड़गे ज्ञानवर्धन करेंगे। खड़गे पूरे बाईस साल में सीताराम केसरी के बाद ऐसे अध्यक्ष बने हैं, जो गांधी परिवार से इतर हैं। लेकिन सब जानते हैं कि केसरी गांधी परिवार से हटकर पार्टी की अलग लाइन बनाने के फेर में बेइज्जत होकर कूचे से बाहर निकले थे। खड़गे इसके बिल्कुल विपरीत गांधी परिवार की सोच से भी आगे जाकर चल रहे हैं। इसीलिए आज के दौर में असली कांग्रेस राहुल गांधी ही हैं। कोई राहुल को वामपंथी कांग्रेसी कहे तो कहता रहे। इसके साथ ही यह सवाल भी पीछे छूट जाता है कि राहुल कांग्रेस की मूल विचारधारा से कितने दूर दूर या पास हैं ?

चिंतन - मंथन के बीच मतदाता सूची का शुद्धिकरण असली चुनौती

कांग्रेस के पचमढ़ी चिंतन शिविर और हरेक विधानसभा इलाके से 25-25 हजार लोगों से सौ-सौ रूपए इकठ्ठा करने की मुहिम के बीच सबसे अहम काम तो आज ही से शुरू हो रहा है। वह है मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान । यह 4 दिसंबर तक चलना है। उसके बाद महीने भर की कवायद दावे आपत्यिों की है, जिसके बाद फरवरी के पहले हफ्ते में मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन हो जाएगा। जाहिर है कि मंथन चिंतन और नोट कलेक्शन से ज्यादा अहम काम वोटर लिस्ट का है। लोकतांत्रिक तकाजों के लिहाज से भाजपा के खिलाफ मजबूती से किला लड़ाने के लिए सबसे ज्यादा जरूरी है बूथ लेवल एजेंटों (बीएलए) की तगड़ी टीम कड़ी करना। बीएलए ऐसे हों ,जो अपने बूथ के हरेक मतदाता को जानते- पहचानते हों। निर्वाचन आयोग सूबे के निचले स्तर के सरकारी मुलाजिमों की नियुक्ति करता है और आयोग की ही देखरेख में वोटर लिस्ट का मसौदा तैयार होता है। यदि इस पर बारीक नज़र रखने का काम कांग्रेस नहीं कर सकी तो बाद में बिहार की तरह वोट चोरी जैसे आरोपों के साथ विधवा विलाप का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। इसलिए टीम जीतू पटवारी के सामने सबसे बड़ी चुनौती बूथ ही हैं। फिर जीतू को सडक़ों की लड़ाई भी लडऩा है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार सदन में सरकार को घेरगें तो उस जंग को सड़कों तक ले जाने का काम टीम जीतू पटवारी के माथे है। यह काम सहज और सरल तभी हो सकेगा जबकि दोनों के बीच की 'केमेस्ट्री' ठीक हो। यदि गुटबाजी का सिलसिला उनके स्तर से ही शुरू होगा तो उसकी श्रृंखला नीचे तक दिखेगी। तब क्या होगा? आलाकमान क्या कर पाएगा?

पंप का उद्घाटन, सीएम ने डाला पेट्रोल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज उज्जैन पुलिस लाइन में नवनिर्मित उज्जैन पुलिस वेलफेयर सोसाइटी के पेट्रोल पंप का लोकार्पण किया। उन्होंने कुछ वाहनों में खुद पेट्रोल भी डाला। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा पेट्रोल पंप का शुभारंभ करते हुए सांकेतिक रूप से कुछ गाड़ियों में पेट्रोल भी भरा गया।

अर्घ्य के दौरान गंगा में डूबने से दो की मौत, एक को हार्ट अटैक

पटना, एजेंसी। छठ महापर्व के अर्घ्य के दौरान पटना के बाढ़ क्षेत्र में अनुमंडल में अलग-अलग हादसों में तीन लोगों की मौत हो गई। दो युवक गंगा नदी में डूब गए, जबकि एक छठ व्रती महिला की अर्घ्य देने जाते समय हार्ट अटैक से मौत हो गई। इन घटनाओं से इलाके में मातम का माहौल है। जानकारी के अनुसार, मलाही गांव में गंगा किनारे अस्थायी घाट बनाकर छठ व्रतियों के लिए अर्घ्य की व्यवस्था की गई थी। अर्घ्य के दौरान नहाने गए एक युवक का पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया। उसे बचाने के लिए दो अन्य युवक नदी में कूद पड़े, लेकिन एक-दूसरे को बचाने की कोशिश में तीनों ही तेज धारा में बह गए।

नगालैंड में एक ही परिवार के तीन लोगों का बेरहमी से कत्ल, आरोपी का सरेंडर

नई दिल्ली,एजेंसी। नगालैंड के निउलैंड जिले में एक परिवार के तीन लोगों को कथित तौर पर उनके चचेरे भाई अब्दुल गोफुर ने मार डाला। मरने वालों में 35 साल के अशातुल और उनके दो बच्चे में 12 साल की बेटी और 6 साल का बेटा शामिल है। पुलिस ने बताया कि हत्या के बाद आरोपी ने हथियारों समेत गांव परिषद के सामने सरेंडर कर दिया। मामले की जांच जारी है और मोटिव अभी पता नहीं चला है।

एसआईआर की घोषणा से पहले 527 अधिकारियों की पोस्टिंग बदली

ममता का खेला! 'अपने' कारिंदों की जमावट

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनाव आयोग की एसआईआर एक्सरसाइज शुरू होने से कुछ घंटे पहले ही ममता बनर्जी सरकार ने 527 अफसरों की ताबड़तोड़ तबादला लिस्ट जारी कर दी। आंकड़ा हैरत में डालने वाला है क्योंकि इसमें 61 आईएएस और 460 से ज्यादा बंगाल सेवा के अफसर शामिल हैं। कई जिलों के डीएम भी बदल दिए गए। ट्रांसफर ऑर्डर में 24 अक्टूबर की तारीख दर्ज हैं। मगर इन्हें वेबसाइट पर दो फेज में अपलोड किया गया। पहला हिस्सा चुनाव आयोग की प्रेस ब्रीफिंग से पहले और दूसरा उसके बाद। यही राजनीति की चिंगारी बन गया। बीजेपी इसे 'फेक वोटर हटने के डर का खेल' बता रही है। जबकि टीएमसी ने इसे साल भर की रूटीन एक्सर साइज बताया है। स्पेशल समरी रिवीजन का शेड्यूल तय है मगर सवाल खड़े हो गए हैं कि क्या ममता सरकार अपने खास अधिकारियों को महत्वपूर्ण पदों पर बैठाकर कोई खास रणनीति बना रही हैं।

चुनावी तैयारी या सत्ता का दांव-पेच

एसआईआर के तहत वोटर्स लिस्ट आज फ्रीज हो गई है। प्रक्रिया 4 दिसंबर तक चलेगी। 9 दिसंबर को ड्राफ्ट रोल आएगा। 7 फरवरी को फाइनल रोल जारी होगा। यानी एक महीने में डिलीट होंगे फेक वोटर्स और जुड़ेंगे असली वोटर्स। ऐसे में चुनाव से जुड़ी अफसरों की हर कुर्सी अहम हो जाती है। जिला स्तर से लेकर ब्लॉक लेवल तक के अफसर एसआईआर की जिम्मेदारी निभाएंगे।

ईसी के कंट्रोल में रहेंगे अफसर

इधर चुनाव आयोग ने घोषणा के साथ एक अहम स्पष्टीकरण दिया। उसके अनुसार इस प्रक्रिया में लगे कर्मचारियों और अधिकारियों का ट्रांसफर राज्य सरकार अब नहीं कर सकती।

कांग्रेस बोली-बिहार का जवाब अब तक नहीं मिला

कांग्रेस ने चुनाव आयोग की मंशा और विश्वसनीयता पर सवाल खड़े किए हैं। पार्टी के मीडिया प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि बिहार में हुए एसआईआर के दौरान जो विवाद सामने आए, उनके जवाब आज तक नहीं मिले हैं। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने केंद्रीय निर्वाचन आयोग और राज्य सरकार पर आरोप लगाते हुए अवैध प्रवासियों की पहचान पर स्पष्टता की मांग की है।

असम को क्यों छोड़ दिया डीएमके ने उठाए सवाल

डीएमके के प्रवक्ता सर्वानन अन्नादुरई ने कहा कि असम में एसआईआर क्यों नहीं किया जा रहा है? एसआईआर की प्रक्रिया कब से नागरिकता जांचने की प्रक्रिया बन गई है? बिहार में चुनाव आयोग को कितने फर्जी या अवैध मतदाता मिले? कई ऐसे सवाल हैं, जिनका जवाब चुनाव आयोग को देना है।

13 में से कोई एक दस्तावेज जरूरी

चुनाव आयोग ने एसआईआर के लिए अब तक तय 12 दस्तावेजों में एक और दस्तावेज को मान्यता दे दी है। बिहार एसआईआर-2025 वोटर लिस्ट भी देश भर के लिए होने वाले एसआईआर में मान्य होगी। यानी अब मान्य दस्तावेजों की लिस्ट में 13 दस्तावेज हो गए हैं। हालांकि, 12वें दस्तावेज के रूप में मान्य किए गए आधार को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने स्पष्ट किया कि आधार ना तो जन्म प्रमाण पत्र का आधार है और ना ही निवास का। यह नागरिकता साबित करने वाला दस्तावेज नहीं है। यह केवल पहचान है।

भोपाल में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक

मध्य प्रदेश में भी बिहार की तर्ज पर एसआईआर को लेकर आज स्टैंडिंग कमेटी की बैठक कलेक्ट्रेट में हो रही है। इस बैठक में सभी राजनीतिक दलों को बुलाकर मतदाता पुनरीक्षण की जानकारी दी जाएगी।

फिर लगी बस में आग, तीन की मौत

जयपुर, एजेंसी। जयपुर में आज एक बस हाईटेंशन लाइन से टकरा गई। बस में करंट आ गया, जिसके बाद आग लग गई। इससे 3 लोगों की मौत हो गई, 10 मजदूर झुलस गए।बस में कई गैस सिलेंडर भी रखे थे, जिनमें भी विस्फोट हुआ है। मामला जयपुर शहर से 50 किलोमीटर दूर मनोहरपुर इलाके का है।

किसान को कुचला था बीजेपी नेता निष्कासित

गुना। जमीन विवाद में एक किसान की निर्मम पिटाई के बाद थार गाड़ी से कुचल कर जान लेने के मामले में स्थानीय बीजेपी नेता महेंद्र नागर को पार्टी ने निष्कासित कर दिया है। फिलहाल महेंद्र नागर फरार है। वह बूथ अध्यक्ष पद पर था। जिले के फतेहगढ़ थाना क्षेत्र के गणेशपुरा गांव का पूरा मामला है। रविवार को महेंद्र नागर और उनके साथियों ने किसान रामस्वरूप धाकड़ की बेरहमी से पिटाई कर दी थी। आरोप है कि इसके बाद उस पर थार गाड़ी चढ़ाकर कुचल दिया गया इससे किसान की जान चली गई।

मॉडल से डिलीवरी बॉय ने की छेड़छाड़

नई दिल्ली, एजेंसी। बेंगलुरु के आरटी नगर में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक 21 साल की ब्राजीलियन मॉडल ने ब्लिंकिट डिलीवरी एजेंट पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया। आरोपी कुमार राव पवार को शनिवार को गिरफ्तार कर लिया गया।

गंभीर चक्रवाती तूफान में बदला 'मोंथा' लोगों को घरों में रहने की दी सलाह

विशाखापत्तनम, एजेंसी। चक्रवाती तूफान मोंथा आज आंध्र प्रदेश के तट से टकराएगा। मौसम विभाग के अनुसार इसके आज रात आंध्र प्रदेश के काकीनाडा इलाके में तट से टकराने के आसार है। तूफान के असर से देश के कई तटीय राज्यों में भारी बारिश हो रही है और तेज हवाएं चल रही हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया गया है। उड़ीसा और आंध्रप्रदेश के तटीय इलाकों में लोगों को घरों में रहने की सलाह दी गई है। इसके लिए मैदानी अमला अनाउंसमेंट कर रहा है। चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र मोंथा अब पश्चिम मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर स्थित है और गोपालपुर से लगभग 550 किमी दक्षिण-दक्षिण पश्चिम में है।

प्रदेश में बारिश का अलर्ट

वहीं मौसम विभाग ने रायसेन, इंदौर, बैतूल और नर्मदापुरम समेत कई जिलों में बारिश होने की संभावना जताई है। सोमवार को भी राज्य के कुछ हिस्सों में भारी वर्षा दर्ज की गई थी।

छत्तीसगढ़ में 25 लाख के इनामी माओवादी नेता बंडी का सरेंडर

जगदलपुर, एजेंसी। माओवादी आंदोलन को करारा झटका देते हुए संगठन के शीर्ष नेता बंडी प्रकाश ने आज तेलंगाना के डीजीपी के समक्ष आत्मसमर्पण

कर दिया। बंडी प्रकाश माओवादी पार्टी में विशेष क्षेत्रीय समिति (स्पेशल जोनल कमेटी) के सदस्य के रूप में लंबे समय से सक्रिय था। बता दें कि उस पर छत्तीसगढ़ सरकार ने 25 लाख रुपये का इनाम घोषित कर रखा था। यह आत्मसमर्पण छत्तीसगढ़ और तेलंगाना-दोनों राज्यों की पुलिस के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है। संगठन में 'प्रभात', 'अशोक' और 'क्रांति' जैसे नामों से पहचाने जाने वाला बंडी प्रकाश तेलंगाना के मंचेरियल जिले के मंदामरी क्षेत्र का रहने वाला है।

आज का कार्टून

मेट्रो एंकर

पहला ऐसा देश जिसके पास है पिक्सल और कोड से बनाई गई वर्चुअल मंत्री

AI से तैयार अल्बेनिया की मिनिस्टर हैं प्रेग्नेंट, 83 बच्चे होंगे जो सांसदों के असिस्टेंट बनेंगे, प्रधानमंत्री के ऐलान से दुनिया हैरत में

तिराना, एजेंसी

अल्बानिया के प्रधानमंत्री एडी रामा ने कहा है कि उनकी एआई जेनरेटेड मंत्री गर्भवती हैं। डिएला नाम की यह रोबोट 83 आर्टिफिशियल बच्चों की मां बनने वाली है। उन्होंने कहा कि जो 83 नए %बच्चे% आने वाले हैं, वह सोशलिस्ट पार्टी के सांसदों के लिए सहायक का काम करेंगे। रामा ने बताया कि ये एआई असिस्टेंट 2026 तक पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएंगे और सांसदों की बहुत से जरूरी कामों में मदद करेंगे। इस घोषणा से डिएला नाम की इस एआई मंत्री ने दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है।

जर्मनी में ग्लोबल डायलॉग (बीजीडी) में बोलते हुए अल्बानिया पीएम रामा ने कहा कि हमने

आज डिएला के साथ बड़ा जोखिम उठाया और बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। इसलिए पहली बार डिएला गर्भवती हैं और उनके 83 बच्चे होने वाले हैं। अल्बानिया कुछ समय पहले ही दुनिया का पहला ऐसा देश बना है, जिसके पास एक ढ्ढ मंत्री है। यह पिक्सल और कोड से बनी वर्चुअल मंत्री है, जो पूरी तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस से काम करती है।

भूले तो दिलाएंगे याद

अल्बानिया के प्रधानमंत्री ने एडी रामा ने कहा है कि डिएला के 83 आर्टिफिशियल बच्चे संसद सत्रों में भाग लेने वाले सांसदों के लिए असिस्टेंट के तौर पर काम करेगा। ये बच्चे हर सत्र की कार्यवाही का रिकॉर्ड रखेंगे और सांसदों को कामकाज संबंधी सुझाव देंगे। इन सभी बच्चों के पास अपनी मां डिएला से मिला ज्ञान होगा। सांसदों को यह अगले साल तक मिल जाएंगे।

दावा - सांसदों को होगी आसानी

रामा ने यह भी समझाया कि ये एआई असिस्टेंट कैसे काम करेंगे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि मान लीजिए कोई सांसद कॉफी पीने चला जाए और उसे देर हो जाए तो यह सहायक बच्चा उसको बताएगा कि जब आप सदन में नहीं थे तब क्या कहा गया और उसका जवाब किस तरह से दिया जाना चाहिए। इससे सांसद को काफी आसानी हो जाएगी। डिएला को सितंबर में देश के एआई मिनिस्टर के तौर पर नियुक्त किया गया था। यह एआई मिनिस्टर अल्बानिया की पारंपरिक पोशाक पहने एक महिला के रूप में दिखाई जाती है। डिएला को सभी पब्लिक टेंडर्स से मिले फैसले लेने की जिम्मेदारी दी गई है। इसका मकसद अल्बानिया की सार्वजनिक खरीद प्रणाली को पूरी तरह पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाना है।

आज उदीयमान सूर्य को अर्घ्य देकर पूरा हुआ छठ महापर्व-

भोपाल में 52 घाटों पर सुबह से जुटे भक्त व्रतियों का 36 घंटे का निर्जला व्रत हुआ पूर्ण

भोपाल, दोपहर मेट्रो

चार दिन तक चली सूर्य उपासना की परंपरा आज सुबह पूरी हो गई। कार्तिक शुक्ल सप्तमी पर आज छठ महापर्व का आखिरी दिन है। भोपाल के 52 घाटों पर सुबह की पहली किरण के साथ श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को दूध, जल और प्रसाद से अर्घ्य अर्पित किया। इसी के साथ 36 घंटे का निर्जला व्रत पूर्ण हुआ। कमला पार्क, वर्धमान पार्क (सनसेट पॉइंट), खटलापुरा घाट, प्रेमपुरा घाट, हथाईखेड़ा डैम, बरखेड़ा और घोड़ा पछाड़ डैम पर आस्था का अद्भुत दृश्य देखने को मिला। हर घाट पर छठी मैया के गीत गूंजते रहे और श्रद्धा का माहौल बना रहा।

इधर, शीतलदास की बगिया में भोपाल दक्षिण पश्चिम विधायक भगवान दस सबनानी भी आए। उन्होंने लोगों को छठ पर्व की शुभकामनाएं दी। भोजपुरी एकता मंच द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। नगर निगम ने घाटों पर सुरक्षा, रोशनी, पेयजल और सफाई की व्यवस्था की थी। पुलिस और प्रशासनिक टीमें भी सुबह से मौजूद रहीं। श्रद्धालुओं ने शांति और अनुशासन के साथ पूजा संपन्न की।

व्रती महिलाओं ने पारण किया

अर्घ्य के बाद व्रती महिलाओं ने पारण किया। भोजन में चावल, दाल, साग, सब्जी, पापड़, बड़ी, पकौड़ी और चटनी शामिल रही। व्रत समाप्त करने के बाद सभी ने प्रसाद ग्रहण किया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की।

भोजपुरी एकता मंच के अध्यक्ष कुंवर प्रसाद ने बताया कि रविवार शाम अस्त होते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद श्रद्धालु पूरी रात भजन गाते रहे। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ छठ पूजा समाप्त हुई। इस बार भोपाल में सबसे अधिक श्रद्धालु घाटों पर पहुंचे। दीयों की रोशनी, सजावट और लोकगीतों से पूरा शहर छठ मैया की भक्ति में सराबोर रहा।

नकली दवाओं की सप्लाई पर लगेगी रोक

प्रदेश में दवाओं पर बारकोड - क्यूआर कोड जरूरी सरकारी अस्पतालों में नई व्यवस्था

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश के सरकारी अस्पतालों में अब नकली दवाओं पर रोक लगाने की तैयारी है। सरकार ने दवा आपूर्ति में पारदर्शिता लाने के लिए नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत अब राज्य के सरकारी अस्पतालों में सप्लाई होने वाली एसेंशियल ड्रग लिस्ट (श्च्छरु) में शामिल दवा की पैकिंग पर बारकोड या क्यूआर कोड अनिवार्य होगा। इससे मरीज, डॉक्टर और अस्पताल यह जांच सकेंगे कि दवा असली है या नकली। यह कदम इसलिए अहम है क्योंकि प्रदेश में हर साल लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का दवा कारोबार होता है और इसमें एक प्रतिशत से भी कम नकली दवाएं मिलने के बावजूद मरीजों की सुरक्षा पर बड़ा खतरा बना हुआ है। अब कोई भी दवा बिना बारकोड के सरकारी अस्पतालों में सप्लाई नहीं की जा सकेगी।

एमपीपीएचसी ने लागू की नई व्यवस्था

मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विस कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने राज्य के सरकारी अस्पतालों में सप्लाई होने वाली दवाओं के लिए नई शर्तें जारी की हैं। अब जो भी कंपनी दवाएं सप्लाई करेगी, उसे पैकिंग पर त्त्क्रकोड और बारकोड अनिवार्य रूप से देना होगा। इस कोड को स्कैन करते ही दवा का नाम, निर्माण कंपनी, निर्माण तिथि, बैच नंबर, लाइसेंस डिटेल और एक्सपायरी डेट की पूरी जानकारी तुरंत मोबाइल पर दिखाई देगी। यह व्यवस्था फिलहाल करीब 500 से ज्यादा जरूरी दवाओं पर लागू की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह सिस्टम आने वाले समय में प्रदेश के सभी अस्पतालों और दवा आपूर्ति केंद्रों में लागू किया जाएगा।

नकली दवा पर लगाम लगाने की कोशिश

प्रदेश में नकली दवाओं का कारोबार कम होने के बावजूद इसका असर बड़ा है। कुछ फार्मा गिरोह असली ब्रांड की तरह पैकिंग बनाकर ई-फार्मेसी और ऑनलाइन माध्यम से दवाएं बेच रहे हैं। बारकोडिंग से यह खेल खत्म होगा, क्योंकि अब अस्पताल स्तर पर भी दवा की पैकेजिंग स्कैन कर जांची जा सकेगी। एक्सपर्ट के अनुसार, अब तक राज्य में मिलने वाली करीब 1त्र दवाएं नकली या गलत पैकिंग में पाई गई हैं। ऐसे में बारकोडिंग व्यवस्था मरीजों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ मेडिकल स्टोर्स और अस्पतालों की जवाबदेही भी तय करेगी। पुरानी दवाएं रहेंगी वैध सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि जिन दवाओं की पैकिंग पहले से बिना बारकोड के मौजूद हैं, उन्हें निर्धारित अवधि तक उपयोग किया जा सकेगा। इसके बाद सभी पुरानी दवाओं को चरणबद्ध तरीके से बाजार से हटाया जाएगा।

सरकारी अस्पतालों के लिए नई व्यवस्था

राज्य सरकार का लक्ष्य है कि अगले वित्तीय वर्ष से पहले सभी जिलों के जिला अस्पतालों, मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य केंद्रों में यह सिस्टम लागू कर दिया जाए। इसके लिए फार्मा कंपनियों और सप्लायरों को पहले ही नोटिस भेज दिया गया है।

मप्र को मिली 496 करोड़ रुपये की पॉलीप्रोपाइलीन फिल्म निर्माण परियोजना

भोपाल भारत सरकार की इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट मैन्युफैक्चरिंग स्कीम (ईसीएमएस) के तहत मध्य प्रदेश में 496 करोड़ रुपये के निवेश वाली पॉलीप्रोपाइलीन फिल्म निर्माण परियोजना स्थापित होगी। पॉलीप्रोपाइलीन फिल्म कैपेसिटर निर्माण में प्रयुक्त होने वाली प्रमुख सामग्री है। इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोटिव, आईसीटी, औद्योगिक एवं विनिर्माण, दूरसंचार एवं कंप्यूटिंग उपकरणों के लिए इसका निर्माण अब भारत में होने लगेगा। केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 7 परियोजनाओं की पहली श्रृंखला को मंजूरी दे दी है। इसके बाद मल्टी-लेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पीसीबी), एचडीआई पीसीबी, कैमरा मॉड्यूल, कॉपर क्लैड लैमिनेट और पॉलीप्रोपाइलीन फिल्म भारत में भी बनाई जाएंगी।

एनएसयूआई ने लगाया फर्जीवाड़े का आरोप

प्रदेश के नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता में गड़बड़ी, भोपाल क्राइम ब्रांच करेगी जांच

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश में नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया में फर्जीवाड़े और नियमों के उल्लंघन की शिकायत के बाद अब इसकी जांच भोपाल क्राइम ब्रांच करेगी। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि कई कॉलेजों ने अपूर्ण और फर्जी दस्तावेजों के जरिए मान्यता हासिल की, जबकि अधिकारियों और निजी कंपनियों की मिलीभगत से यह खेल वर्षों से चल रहा है।

अब साइबर से क्राइम ब्रांच के पास पहुंची जांच- राज्य साइबर पुलिस संबंधित शिकायत को गंभीर मानते हुए इसे क्राइम ब्रांच, भोपाल को सौंप दिया है। एनएसयूआई के रवि परमार ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल के पोर्टल पर नर्सिंग कॉलेजों द्वारा किए गए। साइबर पुलिस ने कहा कि मामला

तकनीकी और प्रशासनिक दोनों स्तरों पर जटिल है, इसलिए जांच अब क्राइम ब्रांच की विशेष टीम करेगी।

एनएसयूआई ने कहा- यह संदिग्ध साइबर अपराध- रवि परमार ने बताया कि एमपी ऑनलाइन पोर्टल और नर्सेस रजिस्ट्रेशन काउंसिल के बीच मिलीभगत से कई कॉलेजों को गलत तरीके से मान्यता दी गई। कई कॉलेजों ने न तो मानक पूरे किए और न ही स्टाफ या इन्फ्रास्ट्रक्चर की जानकारी सही दी, फिर भी उन्हें स्वीकृति मिल गई। यह केवल प्रशासनिक चूक नहीं बल्कि शिक्षा माफिया कुछ अधिकारियों और निजी कंपनी द्वारा किया गया संगठित साइबर अपराध है।

रवि परमार ने कहा कि इस तरह की अनियमितताएं न केवल शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती हैं बल्कि राज्य के प्रशासनिक तंत्र की साख पर भी चोट करती हैं। उन्होंने कहा कि जब तक इस फर्जीवाड़े में शामिल कॉलेज संचालकों, अधिकारियों और कंपनियों पर सख्त कार्रवाई नहीं होती।

जांच शुरू की

राज्य में सैकड़ों नर्सिंग कॉलेजों की मान्यता इस पोर्टल से होती है। ऐसे में अगर आवेदन प्रक्रिया ही संदिग्ध पाई गई तो हजारों स्टूडेंट्स के भविष्य पर असर पड़ सकता है। फिलहाल, क्राइम ब्रांच ने केस से जुड़े दस्तावेज, पोर्टल डेटा और आवेदनों की जांच शुरू कर दी है।

रिपोर्ट में खुलासा...एमपीआरडीसी की जीएम समेत 2 को नोटिस

गलत डिजाइन-लापरवाही से धंसी थी सड़क

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल बायपास की सड़क का 100 मीटर का हिस्सा फेल सिस्टम, गलत डिजाइन और जिम्मेदारों की लापरवाही की वजह से धंसा था। जांच टीम की रिपोर्ट के बाद मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम की जीएम सोनल सिन्हा और एजीएम संजीव जैन को नोटिस थमाए गए हैं।

जांच में जो गड़बड़ियां सामने आई थीं और जिम्मेदारों के नामों का खुलासा किया था, वही जांच टीम ने अपनी रिपोर्ट में शामिल किया है। जनरल मैनेजर सिन्हा और एजीएम जैन ने 4 महीने में सिर्फ एक बार ही निरीक्षण किया। उन्हें ब्रिज के पास भरा पानी नहीं दिखा था। न ही ढाल यानी, स्लोप की दरारें, उगे झाड़ियां और पेड़-पौधे हटाए गए।

कंसेशनायर मेसर्स ट्रान्सट्रॉय भोपाल बायपास प्रावि हैदराबाद और स्वतंत्र सलाहकार मेसर्स लॉयन इंजीनियरिंग सर्विसेज भोपाल को भी दोषी माना गया है। ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाने और अन्य लापरवाही पर दोनों ही कंपनी पर कार्रवाई होगी। हालांकि, ट्रान्सट्रॉय कंपनी को पहले ही ब्लैक लिस्टेट किया जा चुका है।

100 मीटर लंबा, 20 फीट गहरा गड्?ढा हो गया था- भोपाल बायपास पर बने रेलवे ओवरब्रिज (ऋह्व्क) से जुड़ी रेनफोर्स्ड अर्थ वॉल की सड़क का 100 मीटर का हिस्सा 20 फीट तक गहरा धंस गया।

साल 2013 में 305 करोड़ रुपए से यह बायपास बना था, लेकिन 12 साल बाद बड़ा भ्रष्टाचार उजागर हो गया। वहीं, 300 मीटर अर्थ वॉल और पुल की संरचना दरारों से जर्जर है। रेलवे ब्रिज से जुड़ा हिस्सा तो बैठने लगा है। ऐसे में फिर से किसी बड़े हादसे की संभावना है।

इन्होंने की जांच, 7 दिन में देना थी रिपोर्ट- मामले की जांच और जिम्मेदारी तय करने के लिए एमपीआरडीसी ने एक टीम बनाई थी, जिसे सात दिन में रिपोर्ट देना थी, लेकिन दिवाली के चलते रिपोर्ट तैयार नहीं हुई। यह रिपोर्ट सोमवार को दी गई। टीम में चीफ इंजीनियर बीएस मीणा, जनरल मैनेजर मनोज गुप्ता और आरएस चंदेल शामिल थे। उन्होंने ही जांच रिपोर्ट एमपीआरडीसी एमडी भरत यादव को दी।

अचानक धंस गई थी सड़क

रेलवे ओवरब्रिज से जुड़ी रेनफोर्स्ड अर्थ वॉल (आरई वॉल) की सड़क 13 अक्टूबर की दोपहर में अचानक धंस गई थी। ये गड्?ढा इतना बड़ा था कि इसमें एक साथ सैकड़ों गाड़ियां समा जाए। दूसरी ओर, यदि ये हादसा दिन की बजाय रात में होता तो कई जानें जा सकती थी, क्योंकि भोपाल बायपास से हर मिनट 25 से 30 गाड़ियां गुजरती हैं। ब्रिज का उतार होने की वजह से गाड़ियों की रफ्तार 60 से 80 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रहती है। ब्रिज के धंसने से कुछ मिनट पहले भी इतनी ही रफ्तार से ट्रक, बसें, कार, टू-व्हीलर गुजर रहे थे। जिन्हें लोगों ने रुकवाया। एक चश्मदीद भगवत यादव कुछ मिनट पहले ही सड़क से गुजरे थे। उन्होंने क्रैक देखा और पुलिस को खबर दी।

लैक लिस्टेड हो चुकी कंपनी

बता दें कि प्रोजेक्ट की शुरुआत नवंबर 2010 में हुई थी, जो एग्रीमेंट के तहत वर्ष 2012-13 में पूरी की गई थी। अनुबंधानुसार इसकी अवधि 15 वर्ष निर्धारित थी, किंतु वर्ष 2020 में निवेशकर्ता द्वारा अनुबंध की शर्तों का पालन न करने के कारण अनुबंध निरस्त कर दिया गया। इसके चलते कंपनी को तीन साल के लिए ब्लैक लिस्टेड कर दिया गया।

निगम दफ्तर पहुंचे कांग्रेसी, बोले-

4 हजार ने नहीं लगाई अटेंडेंस, कमिश्नर को सौंपा गुलदस्ता

भोपाल। भोपाल नगर निगम में 7 दिन पहले फेस रिकग्निशन सिस्टम से अटेंडेंस लगाना शुरू हुआ। पहले दिन 10 हजार 500 कर्मचारियों ने चेहरा दिखाकर अटेंडेंस लगाई, जो अब 11 हजार तक पहुंच गई। दूसरी ओर, करीब 4 हजार कर्मचारी अब भी फेस से अटेंडेंस नहीं लगा रहे हैं। ऐसे में कांग्रेस ने बड़े फर्जीवाड़े का आरोप लगाते हुए निगम कमिश्नर संस्कृति जैन को ज्ञापन और कमल के फूल से बना गुलदस्ता सौंपा। कांग्रेस नेता मनोज शुक्ला ने आरोप लगाया कि यह 4000 कर्मचारी वास्तव में बीजेपी कार्यकर्ता और पदाधिकारी हैं, जो नगर निगम से तनख्वाह ले रहे हैं। शुक्ला ने कहा,

लिस्ट सौंपी, बोले-जांच की जानी चाहिए

कांग्रेस नेता शुक्ला ने कहा कि नगर निगम उनके द्वारा दी गई सूची की जांच करें। यदि यह सूची गलत निकले तो निगम मेरे खिलाफ भी कार्रवाई करने को स्वतंत्र है। सभी राजनीतिक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं को चिन्हित कर इनसे इतने वर्षों के अवैध भुगतान की वसूली की जाए एवं इन्हें नगर निगम सेवा से बर्खास्त कर इन पर कानूनी कार्रवाई हो। ताकि निगम को हो रहे आर्थिक नुकसान से बचाया जा सके। कमिश्नर से मिलने के दौरान दीपक दीवान, तारिक अली, विजेंद्र शुक्ला, अहमद खान, अमित खत्री, आशीष ओझा मौजूद थे।

मेट्रो एंकर

रेलवे ने 'नो फूड' ऑप्शन छिपाया, यात्री बोले- पारदर्शिता की कमी

न चाहते हुए भी यात्रियों को लेना पड़ रहा है खाना

भोपाल, दोपहर मेट्रो

राजधानी, शताब्दी और दूरंतो जैसी ट्रेनों में यात्रियों को मिलने वाली ऑन बोर्ड कैटरिंग सुविधा का इतिहास दशकों पुराना है। लेकिन अब रेल यात्रियों के सामने नई परेशानी खड़ी हो गई है। इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन की वेबसाइट और ऐप पर टिकट बुक करते समय नो फूड का विकल्प अब पहले की तरह साफ-साफ नहीं दिखता।

अक्टूबर 2025 की शुरुआत में इंटरफेस अपडेट होने के बाद यह ऑप्शन नीचे ÷अदर प्रेफरेंसेस में चला गया है, जिससे अधिकांश यात्रियों को यह दिखाई ही नहीं दे रहा है। नतीजतन, उन्हें टिकट के साथ फूड चार्ज भी देना पड़ रहा है।

राजधानी एक्सप्रेस जब पहली बार चली थी, तभी इसके साथ ऑन बोर्ड कैटरिंग की सुविधा जोड़ी गई थी। यात्रियों को टिकट के साथ ही नाश्ता, लंच और डिनर दिया जाता था। यह रेलवे की प्रीमियम

सर्विस का हिस्सा था और सालों तक सफलतापूर्वक चला। यात्रियों को ट्रेन का खाना पसंद भी आता था। लेकिन 2010 के बाद खाने की गुणवत्ता को लेकर लगातार शिकायतें आने लगीं। यात्रियों ने मंत्रालय से लेकर सोशल मीडिया तक विरोध जताया, जिसके बाद तत्कालीन रेल मंत्री ने हस्तक्षेप कर सुधार के आदेश दिए।

यात्रियों ने बताया

राइट टू चॉइस का उल्लंघन

यात्रियों का कहना है कि यह बदलाव पारदर्शिता की कमी को दर्शाता है। पहले नो फूड विकल्प आसानी से दिखता था, अब वह छिप गया है। इससे यह भ्रम होता है कि ऑप्शन खत्म कर दिया गया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह कदम यात्रियों की राइट टू चॉइस का उल्लंघन है। रेलवे को यात्रियों की जरूरत और सुविधा के मुताबिक बदलाव करने चाहिए, न कि उन्हें बिना जानकारी के नई नीति में फंसा देना चाहिए।

2017 में शुरू हुआ था 'नो फूड' ऑप्शन

1 अगस्त 2017 को रेलवे बोर्ड ने निर्णय लिया कि राजधानी, शताब्दी और दूरंतो ट्रेनों में यात्रियों को 'नो फूड' का विकल्प दिया जाएगा। यात्री यदि ट्रेन का भोजन नहीं लेना चाहता, तो वह टिकट बुकिंग के दौरान नो, आई डॉन्ट वांट फूड चुन सकता था। इससे टिकट से भोजन का चार्ज अपने आप घट जाता था। यह व्यवस्था यात्रियों के बीच लोकप्रिय हुई, क्योंकि कई लोग अपना खाना साथ लाना पसंद करते हैं। पहले जो नो फूड का ऑप्शन टिकट बुकिंग पेज पर स्पष्ट दिखता था, अब उसे कैटरिंग सर्विस ऑप्शन के ड्रॉपडाउन में नीचे की ओर शिफ्ट कर दिया गया है। यह बदलाव इतना सूक्ष्म है कि जल्दी-जल्दी टिकट बुक करने वाले यात्री इसे देख ही नहीं पाते। कई को यह लगता है कि विकल्प हटा दिया गया है और मजबूरी में फूड चार्ज जोड़कर टिकट कन्फर्म करना पड़ता है।

छठ पर्व के आखिरी दिन सीएम उज्जैन पहुंचे, विक्रम सरोवर घाट पर सूर्य को दिया अर्घ्य

उज्जैन। उज्जैन में बिहार के लोगों ने मंगलवार को उगते सूर्य को अर्घ्य देकर छठ व्रत पूर्ण किया। इस पूजा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी शामिल हुए। विक्रम सरोवर पर व्रती सूर्योदय से पहले पहुंचे और सूर्य को अर्घ्य दिया। साथ ही संतान की लंबी आयु, परिवार में सुख-समृद्धि और स्वास्थ्य की कामना की। वहीं मुख्यमंत्री ने विक्रम सरोवर घाट पर सूर्य को अर्घ्य देकर प्रदेश-देश की सुख-शांति की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने यहां कहा कि हमारे पर्व-त्योहार सनातन संस्कृति के विश्वास को दृढ़ करने के लिए होते हैं। उन्होंने उज्जैन में छठ मैया और सूर्य उपासना की परंपरा को निभाते हुए भगवान सूर्य को अर्घ्य दिया और पूजन आरती की। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने प्रदेश की जनता और मिथिलावासियों को छठ व्रत की पूर्णता की शुभकामनाएं और बधाई दी।

एमपी के 16 जिलों में 73 हजार सरकारी कनेक्शन, 406 करोड़ का बिल पेंडिंग

मंत्री विजयवर्गीय और प्रहलाद के विभाग पर 227 करोड़ रु. बाकी

भोपाल, दोहपर मेट्रो

प्रदेश के नगरीय विकास और आवास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और पंचायत व ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल के विभागों पर प्रदेश के 16 जिलों में 227 करोड़ रुपए का बिजली बिल बकाया है। इस बिल की वसूली के लिए अब मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी सभी संबंधित विभागों को पत्र लिखकर बिल भुगतान के लिए आग्रह कर रहा है।

अगस्त 2025 के बकाया बिल की यह राशि 406 करोड़ रुपए है, जो 73 हजार बिजली कनेक्शनों में उपयोग की गई बिजली खपत से जुड़ी है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के शासकीय कनेक्शनों की प्रदेश के ग्वालियर, चंबल और भोपाल संभागों में कुल संख्या 72 हजार 900 है। इसमें सबसे अधिक 16049 कनेक्शन पंचायत और ग्रामीण विकास विभाग के हैं, जिन पर 102.32 करोड़ का बिजली बिल बाकी बताया गया है।

मंत्री प्रहलाद पटेल के विभाग पर बकाया राशि के भुगतान के लिए

संबंधित विभागाध्यक्षों को पत्र लिखे गए हैं। इसी तरह नगरीय विकास विभाग के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के विभाग के 12034 कनेक्शन हैं, जिन पर 125.62 करोड़ का बिल बाकी है।

इसके अलावा जिन मंत्रियों के विभागों से संबंधित बिजली कनेक्शनों पर बकाया राशि अधिक है, उसमें महिला और बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया, स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह, डिप्टी सीएम और लोक स्वास्थ्य व चिकित्सा शिक्षा मंत्री राजेंद्र शुक्ल के नाम शामिल हैं। इन सभी विभागों को भी मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के एमडी क्षितिज सिंघल ने पत्र लिखा है और बिल जमा कराने को कहा है। यह बकाया राशि अगस्त 2025 की स्थिति में है जबकि अभी अक्टूबर महीने का अंतिम सप्ताह चल रहा है। ऐसे में यह राशि पांच सौ करोड़ से अधिक होने की उम्मीद जताई जा रही है।

सरकारी विभागों पर बकाया राशि (करोड़ रुपए)

क्र.	विभाग का नाम	संख्या	बकाया राशि
1	नगरीय विकास, आवास	12034	125.62
2	पंचायत, ग्रामीण विकास	17049	102.32
3	पीएचई	445	11.35
4	नर्मदा घाटी विकास	4	0.086
5	गृह विभाग	2070	10.49
6	स्कूल शिक्षा	18539	29.64
7	किसान कल्याण, कृषि	381	2.39
8	वन	766	4.30
9	स्वास्थ्य	1910	21.07
10	ट्राइबल	2805	6.87
11	राजस्व	485	3.76
12	लोक निर्माण	541	4.29
13	उच्च शिक्षा	331	1.56
14	जल संसाधन	497	13.97
15	महिला, बाल विकास	9965	34.45
16	अन्य विभाग	5078	34.21
17	कुल	72900	406.36

महिला और बाल विकास विभाग अगले पांच साल में 25,239 नए आंगनवाड़ी भवन बनाएगा

प्रदेश में पोषण ट्रैकर से होगी आंगनबाड़ी केंद्रों की मॉनिटरिंग, रिक्त पदों को जल्द भरा जाएगा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

एमपी में आंगनवाड़ी केंद्रों के खुलने की मॉनिटरिंग अब पोषण ट्रैकर के जरिए की जाएगी। इससे यह पता चल सकेगा कि कौन सा आंगनवाड़ी केंद्र महीने में कितने दिन तक खुला रहा। महिला और बाल विकास विभाग अगले पांच साल में हर साल 3,000 आंगनवाड़ी भवन बनाकर कुल 25,239 नए आंगनवाड़ी भवन बनाएगा। इसका प्रस्ताव जल्द ही कैबिनेट बैठक में पेश किया जाएगा। इसके साथ ही विभाग गर्भवती महिलाओं को आपरेशन रहित प्रसव पर फोकस करेगा।

यह निर्णय महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया द्वारा ली गई विभागीय समीक्षा बैठक में लिया गया। मंत्री भूरिया ने कहा कि प्रदेश में संचालित सभी आंगनवाड़ी केंद्रों में कार्यकर्ता और सहायिका के रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया जल्दी पूरी की जाए, ताकि विभागीय सेवाओं में आने वाली दिक्कतों को दूर किया जा सके। उन्होंने कहा कि हितग्राहियों का पंजीयन और पोषण ट्रैकर की मॉनिटरिंग नियमित रूप से की जाए। इसे विभागीय स्तर पर अभियान के रूप में संचालित किया जाएगा, ताकि प्रदेश में हर पात्र महिला, गर्भवती, धात्री माता और बच्चों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। मंत्री भूरिया ने कहा कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में गर्भवती महिलाओं के सुरक्षित (ऑपरेशन रहित) प्रसव के लिए प्रसव की नियत तिथि के चार दिन पहले शासकीय चिकित्सालयों में वार्ड चिन्हांकित किए जाएं। इसके लिए महिला एवं बाल विकास विभाग को स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए गए हैं।

25239 आंगनवाड़ी केंद्र भवनविहीन- मंत्री ने बताया कि प्रदेश के 25,239 भवनविहीन आंगनवाड़ी केंद्रों के लिए नए भवन निर्माण की योजना तैयार की गई है। वित्तीय वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक हर साल 3,000 नए आंगनवाड़ी भवन बनाए जाएंगे। कैबिनेट से मंजूरी के लिए प्रस्ताव भी पेश किया जा रहा है। प्रमुख सचिव मनीष सिंह ने कहा कि मध्यप्रदेश ने महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में कई नवाचार किए हैं, जिनकी जानकारी भारत सरकार को भी होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अधिकारी मुख्यमंत्री बाल आरोग्य संवर्धन कार्यक्रम की मॉनिटरिंग करें और आंगनवाड़ी केंद्रों में मेडिकल किट का नियमित परीक्षण सुनिश्चित करें।

सुपरवाइजर बताएंगे केंद्र समय पर खुले या नहीं

आयुक्त महिला एवं बाल विकास निधि निवेदिता ने कहा कि शहरी क्षेत्रों की सुपरवाइजर यह सुनिश्चित करें कि आंगनवाड़ी केंद्र समय पर खुल रहे हैं। उन्होंने बताया कि विभाग की ओर से अब ट्रैकिंग सिस्टम विकसित किया जा रहा है, जिससे पता चलेगा कि आंगनवाड़ी केंद्र महीने में कितने दिन खुले। सितंबर 2025 के आंकड़ों के अनुसार, 97,791 में से 99.11% केंद्र 21 से 24 दिन तक खुले, जबकि 91.16 % केंद्र माह में 25 दिन से अधिक खुले। यह अवधि मध्य जोनल क्षेत्र में सबसे अधिक रही। आयुक्त ने बताया कि 11,786 आंगनवाड़ी केंद्रों को सरकारी भवनों में ट्रांसफर किया गया है और 21,954 एक कमरे वाले केंद्रों को सुविधायुक्त भवनों में ट्रांसफर करने की प्रक्रिया जारी है। साथ ही, विद्युत विहीन केंद्रों में विद्युत प्रदान करने के लिए पांच सालों में हर साल 7,500 केंद्रों को विद्युत कनेक्शन देने का लक्ष्य रखा गया है।

कुपोषण रोकने के लिए अभियान

बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि कुपोषण निवारण के लिए जुलाई और अगस्त 2025 में विशेष अभियान चलाया गया, जिसमें 9,49,161 बच्चों के वजन, ऊंचाई और लंबाई के आंकड़ों का सत्यापन किया गया। इसके परिणामस्वरूप ठिगनापन के आंकड़ों में 7.5त्न की कमी दर्ज की गई। सभी कुपोषित बच्चों के लिए जिला अस्पताल स्तर पर सीबीसी टेस्ट किए जा रहे हैं और गंभीर कुपोषित बच्चों के लिए आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 5 दिवसीय परामर्श सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

बैठक में भी दी गई जानकारी

वर्तमान में 26,583 आंगनवाड़ी केंद्र किराए के भवनों में संचालित हैं, जिनमें 14,649 ग्रामीण और 11,934 शहरी क्षेत्र में स्थित हैं। पीएम जनजातीय न्याय महाअभियान के तहत 605 आंगनवाड़ी केंद्रों का संचालन शुरू किया गया है और 217 भवनों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (दा-जगुआ) के तहत 66 नए आंगनवाड़ी केंद्र और भवन स्वीकृत एवं संचालित किए गए हैं। समीक्षा के दौरान भवनविहीन आंगनवाड़ी केंद्रों के निर्माण, पूरक पोषण आहार की व्यवस्था, पोषण ट्रैकर और आरसीएच अनमोल डेटा की एकरूपता तथा हितग्राहियों तक समय पर सेवाओं की उपलब्धता पर चर्चा की गई।

कोदो - कुटकी उपार्जन के पंजीयन की तिथि बढ़ी

भोपाल। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग ने किसानों के हित में कोदो- कुटकी उपार्जन के लिए पंजीयन की तिथि 31 अक्टूबर 2025 तक बढ़ा दी है। उल्लेखनीय है कि रानी दुर्गावती श्री अन्न प्रोत्साहन योजना अंतर्गत श्रीअन्न प्रोत्साहन कंसोर्टियम ऑफ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड द्वारा 16 जिलों जबलपुर, कटनी, मंडला, डिंडोरी, छिंदवाड़ा, शहडोल, अनूपपुर, उमरिया, रीवा, सीधी, सिंगरौली, मैहर, सतना, मऊगंज, बालाघाट एवं सिवनी में कोदो एवं कुटकी उपार्जन किया जाना है। खरीफ वर्ष 2025 में ई-उपार्जन पोर्टल पर 10 से 24 अक्टूबर 2025 तक पंजीयन किए जाने का निर्णय लिया गया था।

किसानों को 0% ब्याज पर लोन के आदेश जारी

पट्टाधारक आदिवासियों को सब्जी उत्पादन के लिए भी मिलेगा अनुदान

भोपाल, दोहपर मेट्रो

सहकारिता विभाग ने जीरो प्रतिशत ब्याज पर फसल ऋण देने की योजना जारी रखने के आदेश जारी कर दिए हैं। मोहन कैबिनेट ने तीन दिन पहले इस फैसले को मंजूरी दी है और जून 2026 तक किसान योजना का लाभ ले सकेंगे।

राज्य शासन ने वर्ष 2025-26 के लिए सहकारी बैंकों के माध्यम से प्राथमिक कृषि साख सहकारी समितियों (पैक्स) द्वारा शून्य प्रतिशत ब्याज दर पर किसानों को अल्पावधि फसल ऋण देने की योजना को निरंतर रखने का निर्णय लिया है। इस संबंध में राज्य शासन ने आदेश जारी किया है। मोहन यादव कैबिनेट ने तीन दिन पहले इसे जारी रखने का निर्णय लिया है।

उधर जनजातीय कार्य विभाग ने तय किया है कि प्रदेश के चार संभागों के 16 जिलों में जनजाति वर्ग के लोगों को वन भूमि पर पैदावार बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत सब्जियों के उत्पादन के लिए विशेष अनुदान दिया जाएगा। खरीफ 2025 सीजन के लिए देय तिथि 28 मार्च 2026 तथा रबी 2025-26 सीजन के लिए 15 जून 2026 की तारीख तय की है। इसके अंतर्गत अल्पावधि फसल ऋण लेने वाले सभी किसानों को गत वर्ष के समान 1.5 प्रतिशत (सामान्य) ब्याज अनुदान और खरीफ-रबी सीजन की निर्धारित देय तिथि तक ऋण की अदायगी करने वाले किसानों को 4 प्रतिशत प्रोत्साहन स्वरूप (अतिरिक्त ब्याज अनुदान) दिया जाएगा।

वन पट्टाधारक परिवारों को सब्जी के लिए मिलेगी प्रोत्साहन राशि

प्रदेश में जनजाति बाहुल्य ग्रामों में वनपट्टाधारी परिवारों को सब्जी उत्पादन के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए प्रदेश के चार संभाग के 16 जिलों में जनजाति वर्ग के लोगों को वन भूमि पर पैदावार बढ़ाने के लिए राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के अंतर्गत सब्जियों के उत्पादन के लिए विशेष अनुदान दिया जाएगा। अनुदान राशि प्रति हैक्टेयर इकाई लागत का 90% तक हो सकता है।

यहां के पट्टाधारक होंगे लाभान्वित

आयुक्त उद्यानकी के अनुसार प्रदेश में नर्मदापुरम संभाग में नर्मदापुरम , बैतूल, हरदा, जबलपुर संभाग में जबलपुर, मंडला, सिवनी, छिंदवाड़ा कटनी, नरसिंहपुर, डिंडोरी और बालाघाट, शहडोल संभाग में शहडोल, उमरिया और अनूपपुर तथा भोपाल संभाग में भोपाल और सीहोर जिलों के कोलार बांध के आसपास के वनपट्टाधारी किसानों को योजना का लाभ मिलेगा।

मुख्य अभियंताओं के सात दलों ने 35 निर्माण कार्यों का किया औचक निरीक्षण

भोपाल। लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के सात दलों ने हाल ही में सीहोर, छिंदवाड़ा, शिवपुरी, अलीराजपुर, अनूपपुर, रतलाम एवं पन्ना जिलों के 35 निर्माण कार्यों का औचक निरीक्षण किया। इनमें 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 6 कार्य पी.आई.यू. (भवन), 7 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम तथा 1 कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के सम्मिलित थे। निरीक्षण दलों से प्राप्त प्रतिवेदन की समीक्षा बैठक प्रबंध संचालक, मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम श्री भरत यादव, की अध्यक्षता में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई।

500 होनहार करेंगे अपनी कला का प्रदर्शन, बनाया गया विशेष मंच

भोपाल में अनुगूंज कार्यक्रम का भव्य आयोजन आज, सीएम करेंगे शुभारंभ

भोपाल, दोहपर मेट्रो

आज सांस्कृतिक कार्यक्रम अनुगूंज का आयोजन किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा यह कार्यक्रम शिवाजी नगर स्थित सुभाष स्कूल में शाम 5:30 बजे आयोजित किया जाएगा। इस भव्य आयोजन का शुभारंभ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे। वहीं कार्यक्रम में शासकीय विद्यालयों के 500 विद्यार्थी अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। मंच पर जनजातीय कल्याण मंत्री विजय शाह और स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। अनुगूंज के प्रथम भाग धनक के अंतर्गत वाद्य संगीत के साथ ही भारत के विविध शास्त्रीय नृत्य ओडिसी, भरतनाट्यम, कथक और मणिपुरी नृत्य आदि की मनमोहक प्रस्तुतियां होंगी। कार्यक्रम के द्वितीय भाग रंगकार के अंतर्गत नाटक ताना बाना टूट न जाए

का मंचन विद्यार्थियों द्वारा किया जा रहा है। कार्यक्रम के सहभागी विद्यार्थियों ने एक माह की अल्पावधि में इन प्रस्तुतियों के लिए खुद को तैयार किया है। आत्मानुशासन, लगन, उत्साह और जोश के साथ भोपाल सहित प्रदेश के विभिन्न अंचलों से शासकीय विद्यालयों के लगभग 500 विद्यार्थियों ने अपनी अभिव्यक्ति को नए सोपान देने का प्रयास अनुगूंज में किया है।

स्कूल शिक्षा का रचनात्मक प्रयास

स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अनुगूंज के आकल्पन को आकार देने के लिए प्रदेश के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त रंगकर्मी और कलाकारों को मेंटर्स के रूप में संयोजित किया गया है। इन मेंटर्स ने एक कुशल मार्गदर्शक के रूप में इस विशेष कार्यक्रम और भविष्य के लिए भी विद्यार्थियों को विभिन्न कलाओं में पारंगत कराया है। उल्लेखनीय है कि अनुगूंज समारोह स्कूल शिक्षा विभाग का एक रचनात्मक प्रयास है जो विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ-साथ उनके रचनात्मक और सर्वांगीण विकास पर केंद्रित है। विद्यार्थियों के मार्गदर्शन के लिए प्रदेश के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकार विद्यार्थियों का मार्गदर्शन कर रहे है।

मेट्रो एंकर

सायबर सुरक्षा में मध्यप्रदेश ने रचा नया इतिहास

एमपी-सीईआरटी ने अधिकारियों-कर्मचारियों को दिया प्रशिक्षण

भोपाल, दोहपर मेट्रो

विश्व में अक्टूबर माह को सायबर सिक्योरिटी अवेयरनेस मंथ के रूप में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य जन-सामान्य को इस दिशा में जागरुक बनाने का है कि डिजिटल सुरक्षा केवल विशेषज्ञों की नहीं, बल्कि हर नागरिक और हर संस्था की सामुहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश साइबर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (एमपी-सीईआरटी) ने उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल करते हुए न केवल राज्य, बल्कि देशभर में नई मिसालें कायम की हैं। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया जिसने सायबर भारत सेतु, राष्ट्रीय साइबर अभ्यास का सफल आयोजन किया।

एमपी-सीईआरटी ने स्थापना के बाद से अब तक 24 से अधिक प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए हैं। इनमें राज्य शासन के विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी शामिल हुए।इन सत्रों का उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को सायबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं से जोड़कर उन्हें दैनिक कार्यप्रणाली में डिजिटल सुरक्षा के उपायों के प्रति संवेदनशील बनाना रहा है।

एमपी-सीईआरटी ने रायसेन, विदिशा, राजगढ़ और सीहोर जिलों में जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए। यहां कर्मचारियों को संबंधित जिला कलेक्टर्स के मार्गदर्शन में प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इन कार्यक्रमों का नेतृत्व विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के अपर मुख्य सचिव एवं एमपी-सीईआरटी के निदेशक श्री संजय दुबे ने किया।

एमपी-सीईआरटी ने सितंबर 2025 में सायबर भारत सेतु नामक राष्ट्रीय सायबर अभ्यास का सफल आयोजन किया। सीईआरटी-इंडिया और केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सहयोग से हुये इस आयोजन से मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य बन गया जिसने इस स्तर का प्रशिक्षण आयोजन किया। इस अभ्यास से सिद्ध हुआ कि मध्यप्रदेश सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार है। एमपी-सीईआरटी अब इस आधार पर आगे बढ़ते हुए समूह-अ और समूह-ब अधिकारियों तथा नीति-निमार्ताओं के लिए तीन दिवसीय रेजिडेंशियल प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर रहा है।

175 मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों की नियुक्ति

एमपी-सीआईआरटी की रणनीति का मूल आधार विकेन्द्रित सतर्कता (डीसेंट्रलाइज्ड विजिलेंस) है। राज्य सरकार ने अब तक 175 मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारियों (सीआईएसओ) की नियुक्ति विभागीय और जिलास्तर पर की है। ये अधिकारी सुनिश्चित करेंगे कि सायबर सुरक्षा केवल आईटी इकाइयों तक सीमित न रहे, बल्कि यह हर नीति, प्रक्रिया और प्रशासनिक कार्यप्रवाह का हिस्सा बने। इस नेटवर्क को और मजबूत करने के लिए एक एकीकृत सीआईएसओ पोर्टल लॉन्च किया गया है। इससे जोखिम, घटनाओं, और संबंधित परामर्शों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग में सहायता मिलेगी। जल्द ही जिलों में भी ई-गवर्नेंस प्रबंधकों (डी ई-जीएम) का भी नोमिनेशन किया जायेगा। उन्हें भी अपने जिलों के सीआईएसओ के रूप में नामित किया जाएगा।

SIR की दूसरी परीक्षा

चुनाव आयोग ने SIR के दूसरे चरण का ऐलान कर दिया है। इस बार राज्य ज्यादा हैं - 12, तो चुनौती भी उसी हिसाब से ज्यादा बड़ी है। उम्मीद कर सकते हैं कि बिहार में पुनरीक्षण प्रक्रिया में आई दिक्कतें अब आयोग के लिए अनुभव का काम करेंगी और वहां जैसी परेशानी बाकी जगहों पर लोगों को नहीं उठानी पड़ेगी।

चुनावी राज्य: मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने SIR के शिड्यूल का ऐलान करते हुए कहा कि प्रक्रिया यह सुनिश्चित करेगी कि कोई भी योग्य मतदाता छूट न जाए और कोई भी अयोग्य मतदाता लिस्ट में शामिल न हो। जिन राज्यों को दूसरे चरण में चुना गया है, उनमें केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। असम में भी अगले ही साल असेंबली इलेक्शन है, लेकिन उसे दूसरे चरण से बाहर रखा गया।

ज्यादा समयः इस बार आयोग ने SIR के लिए खुद को अधिक वक्त दिया है। बिहार में सबसे बड़ा सवाल जल्दबाजी को लेकर ही उठा था। राज्य में जून के आखिर में वोटर पुनरीक्षण अभियान की घोषणा की गई थी, जबकि पता था कि अक्टूबर-नवंबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। इस हड़बड़ी का असर पूरी प्रक्रिया के दौरान दिखा, खासकर डॉक्युमेंट्स को लेकर जनता ही नहीं, चुनाव कर्मियों में भी गफलत की स्थिति रही। सरकारी कार्यालयों में भीड़ उमड़ने से जैसी अफरातफरी देखने को मिली, वैसा नहीं होना चाहिए।

आधार पर स्पष्टताः आयोग ने इस बार आधार कार्ड को लेकर रुख पहले ही साफ कर दिया है कि यह जन्म, नागरिकता या निवास प्रमाण पत्र के रूप में मान्य नहीं होगा, लेकिन स्कूक्रमें इसे एक डॉक्युमेंट के रूप में पेश किया जा सकेगा। यह स्पष्टता इसलिए जरूरी थी, क्योंकि बिहार में पहले चरण के दौरान आधार कार्ड का मसला सुप्रीम कोर्ट तक चला गया था। दस्तावेज ऐसे होने चाहिए, जो अधिकतम आबादी की पहुंच में हों और आधार आज पहचान का सबसे सरल जरिया है।

प्रक्रिया सरल बनेः SIR को 21 साल बाद अंजाम दिया जा रहा है। वोटर लिस्ट में समय-समय पर सुधार जरूरी है और इस प्रक्रिया के औचित्य पर कोई सवाल नहीं उठाया जा सकता, लेकिन इसे अंजाम देने के तरीके पर जरूर ध्यान देना चाहिए। SIR का मकसद किसी की नागरिकता तय करना या ज्यादा से ज्यादा लोगों को वोटर लिस्ट से बाहर करना नहीं है। इसे इतना सरल होना चाहिए, जिससे लोग वोटर बनने के लिए प्रेरित हों और उनमें लोकतंत्र के सबसे बड़े पर्व के लिए उत्साह जगे।

जन सुराज : बिहार के चुनाव में वैकल्पिक राजनीति का नया दर्शन

तनवीर जाफरी
स्तंभकार

पूरे देश की निगाहें इस समय बिहार विधान सभा के होने जा रहे आम चुनावों पर लगी हुई हैं। इन चुनावों में जहां देश व राज्य के अनेक पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दल चुनाव मैदान में सत्ता अथवा विपक्ष के किसी न किसी गठबंधन के साथ मिलकर बिहार का भाग्य बदलने के नाम पर खुद अपना भाग्य आज़मा रहे हैं वहीँ इस बार के चुनाव में पहली बार जन सुराज पार्टी नामक एक नया राजनैतिक दल भी बिहार की राजनीति में अपनी ज़ोरदार उपस्थिति दर्ज करा रहा है।जन सुराज पार्टी जैसे किसी नवगठित दल द्वारा अपने पहले ही चुनाव में राज्य की सभी 243 सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े करना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। और इससे भी बड़ी बात यह है कि इस पार्टी के लगभग सभी उम्मीदवार शिक्षित,बुद्धिजीवी,पूर्व नौकर शाह,पूर्व आई ए एस,आई पी एस, वैज्ञानिक, गणितज्ञ तथा शिक्षाविद हैं जबकि चुनाव मैदान में कूदे अन्य पारंपरिक राष्ट्रीय व क्षेत्रीय राजनैतिक दलों के उम्मीदवारों की शिक्षा,उनके आचरण, चरित्र व योग्यता के विषय में कुछ अधिक बताने की ज़रुरत ही नहीं।

बहरहाल इस नये नवेले राजनैतिक दल जन सुराज पार्टी के संस्थापक व अकेले रणनीतिकार व स्टार प्रचारक वही प्रशांत किशोर हैं जो नरेंद्र मोदी व भाजपा से लेकर देश के अधिकांश राजनैतिक दलों व नेताओं के लिये एक पेशेवर के रूप में चुनावी रणनीति तैयार करने के बारे में जाने जाते हैं। पूर्व में वे संयुक्त राष्ट्र समर्थित एक सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में आठ वर्षों तक कार्य कर चुके हैं। देश के विभिन्न राजनैतिक दलों को अपनी रणनीति का लोहा मनवाने के बाद मूल रूप से बिहार के ही रहने वाले प्रशांत किशोर ने अपनी योग्यता का प्रयोग सर्वप्रथम अपने ही राज्य के विकास के लिये करने का निर्णय लिया और 2022 में बिहार की जनता को जागरूक करने व उन्हें उनकी व पूरे राज्य की बदहाली के मूल कारणों से अवगत कराने के मक़सद से बिहार में जन सुराज अभियान चलने की घोषणा की। इस घोषणा के बाद ही उन्होंने राज्य में लगभग 3,000 किलोमीटर की पदयात्रा भी की। इस पदयात्रा के दौरान उन्होंने राज्य की आम जनता से सीधा संवाद स्थापित किया। इसी जन सुराज अभियान से ही उनके नये राजनैतिक दल का नाम जन सुराज पार्टी निकला।

बहरहाल देश के बड़े से बड़े राजनैतिक दिग्गजों के लिये रणनीति तैयार करने वाले प्रशांत किशोर स्वयं अपने लिये कैसी सफल रणनीति बना रहे हैं उसी का परिणाम है कि उन्हें न केवल गोदी मीडिया भी पूरी तवज्जोह दे रहा है बल्कि वे सत्ता व विपक्षी महागठबंधन के दाग़दार नेताओं पूर्व की उनकी असफल नीतियों यहाँ तक कि राज्य की बदहाली तक के लिये इसी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन व महागठबंधन के दलों को ज़िम्मेदार ठहरा रहे हैं। राज्य के विकास के लिये प्रशांत किशोर मुफ़्त की रेवड़ियों या शराब बंदी जैसी नीतियों को नहीं बल्कि केवल शिक्षा को ही पहली ज़रुरत मान रहे हैं। राज्य की सभी 243 सीटों के लिये अपने पहले चुनाव में योग्य व शिक्षित प्रत्याशी उतारना बल्कि कई सीटों पर तो अनेक योग्य उम्मीदवारों द्वारा चुनाव लड़ने के लिये एक साथ दावा पेश किया जाना भी प्रशांत किशोर की चुनावी रणनीति की बड़ी सफलता है।

जो भी हो मगर अपनी योग्यता का लोहा मनवाने के बाद अपने कुशल रणनीतिकार के पेशे को त्यागकर अपनी ही कमाई गयी पूँजी को दांव पर लगाकर बिहार व बिहार वासियों के भविष्य की चिंता में राज्य की गली गली में धूल मिट्टी व कीचड़ में घूमकर राज्य की खुशहाली की बातें करना वह भी बिना किसी धर्म जाति व समुदाय की बात किये हुये तथा बिना मुफ़्त की रेवड़ी की लालच दिये, अपने आप में ही बड़ी बात है। वह भी उस बिहार राज्य में जोकि ग़रीबी के साथ साथ अपनी जातिवादी राजनीति के लिये भी प्रसिद्ध हो ? इसमें कोई शक नहीं कि देश को शिक्षित,ज्ञानवान,राष्ट्र हितकारी,धर्म व सम्प्रदाय व जाति से ऊपर उठकर सोचने वाले तथा स्वच्छ छवि रखने वाले नेताओं की ज़रुरत है। आज यदि कोई अनपढ़,अज्ञानी व साम्प्रदायिकतावादी व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री बन जाये कोई अपराधी व्यक्ति देश का गृह मंत्री या मुख्य मंत्री बन जाये अशिक्षित व्यक्ति शिक्षा मंत्री बन जाये कोई लुच्चा,लफ़ंगा,बलात्कारी,गैंगस्टर हमारा जनप्रतिनिधि बन जाये तो इससे बढ़कर शर्मिन्दिगी व वैश्विक स्तर पर बदनामी की बात हमारे देश के लिये और क्या हो सकती है ?

यदि भारतीय राजनीति का वातविक चेहरा इतना भयावह व दाग़दार न होता तो केंद्रीय विद्युत व ऊर्जा मंत्री आर के सिंह को पिछले दिनों अपनी ही पार्टी भाजपा के प्रत्याशी व बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी व मोकामा से जेडीयू की ओर से एनडीए उम्मीदवार व बाहुबली नेता अनंत सिंह का नाम लेते हुये राज्य की जनता के नाम यह वीडियो सन्देश जारी न करना पड़ता जिसमें उन्होंने दीवाली की शुभकामनाएं देते हुए मतदाताओं से अपील की थी कि -अपराधी या भ्रष्टाचार के आरोपी सम्राट चौधरी व अनंत सिंह जैसे उम्मीदवारों को वोट न दें, भले ही वे किसी की जाति के हों। उन्होंने इसी सन्देश में यह सुझाव भी दिया कि यदि सभी उम्मीदवार ऐसे हैं, तो NOTA दबाएं। आर.के. सिंह ने यहां तक कहा कि ऐसे उम्मीदवार को वोट देने का अर्थ है चुल्लू भर पानी में डूब मरना। इसीलिये रसातल में जा रही राजनीति के वर्तमान दौर में यह सोचना पड़ रहा है कि जन सुराज पार्टी क्या वैकल्पिक राजनीति का नया दर्शन साबित हो सकेगा?

(लेखक के अपने विचार हैं।)-साभार

पाकिस्तान के साथ बन रहा नया सैन्य गठजोड़ भारत के लिए चिंता का विषय

ललित गर्ग
वरिष्ठ पत्रकार

हाल ही में पाकिस्तान समेत संयुक्त अरब अमीरात, कतर और अज़रबैजान के बीच बन रहे सैन्य गठजोड़ की खबरें भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। यह घटनाक्रम न केवल दक्षिण एशिया बल्कि मध्य एशिया और खाड़ी क्षेत्र के भू-राजनीतिक समीकरणों को भी प्रभावित कर रहा है। पाकिस्तान लगातार अपनी रक्षा और कूटनीतिक स्थिति को मज़बूत करने की दिशा में सक्रिय हुआ है और वह ऐसे देशों से निकटता बढ़ा रहा है जो भारत के रणनीतिक हितों के लिए चुनौती बन सकते हैं।

भारत को इस नए उभरते गठजोड़ को केवल एक सामान्य रक्षा समझौते के रूप में नहीं देखना चाहिए, बल्कि इसे एक दीर्घकालिक रणनीतिक प्रयास के रूप में समझना चाहिए, जिसका उद्देश्य पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय स्थिति को सुधारना और भारत पर अप्रत्यक्ष दबाव बनाना है। भारत की विदेश नीति और सुरक्षा के मद्देनजर इस तरह के गठबंधन बड़ी चुनौती के लिहाज देखे जाने चाहिए।

पिछले महीने पाकिस्तान और सऊदी अरब के बीच हुए ऐतिहासिक सैन्य समझौते, जिसके तहत एक देश पर हुआ हमला दूसरे देश पर भी माना जाएगा, की तर्ज पर ही इस सैन्य गठजोड़ का विचार सामने लाया गया है। हालांकि इन चार देशों के बीच अभी कोई औपचारिक समझौता नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है कि अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा हो जाएगी। गौरतलब है कि तुर्किये, पाकिस्तान और अजरबैजान का त्रिपक्षीय गठबंधन, जिसे थ्री ब्रदर्स के नाम से जाना जाता है, एक मजबूत सैन्य साझेदारी का रूप ले चुका इसके अतिरिक्त, इस्लामिक मिलिट्री काउंटर टेररिज्म कोएलिशन (आईएमसीटीसी) भी है, जिसका संस्थापक सऊदी अरब है और जिसमें चालीस से अधिक सदस्य देश शामिल हैं। इन देशों के बीच सैन्य अभ्यास, हथियार सौदे और कश्मीर जैसे मुद्दों पर इनका स्वाभाविक सामूहिक रुख भारत के लिए चिंता का विषय रहा है। इससे पाकिस्तान अपनी कुचालों का जायज ठहराने एवं अपनी रक्षा की गुहार लगाते हुए भारत पर दबाव बनाना चाहता है। नहीं भूलना चाहिए कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद जब भारतीय सेना ने ऑपरेशन सिंदूर चलाया, तब ज्यादातर मुस्लिम देशों ने तटस्थ रुख अपनाया था, लेकिन तुर्किये और अजरबैजान दो ऐसे मुल्क थे, जो पूरी तरह से पाकिस्तान के समर्थन में खड़े थे। दरअसल, तुर्किये के राष्ट्रपति तैयब अर्दोआन की इस्लामिक दुनिया के मॉडर्न खलीफा बनने की सनक का पाकिस्तान समर्थन करता है, इसी वजह से तुर्किये ने संयुक्त राष्ट्र में भी कश्मीर पर पाकिस्तान के रुख का खुला समर्थन किया है।

सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच हुआ हालिया रक्षा समझौता इस बात का संकेत है कि पाकिस्तान अब अपनी सुरक्षा रणनीति को क्षेत्रीय स्तर पर फैलाने में सफल हो रहा है। यह समझौता इस सिद्धांत पर आधारित है कि अगर किसी एक देश पर हमला होता है तो दोनों की संयुक्त प्रतिक्रिया होगी। यह बात भारत के लिए सीधे तौर पर खतरे की घंटी है क्योंकि इससे पाकिस्तान को रक्षा सहायता, प्रशिक्षण, संसाधन और राजनीतिक समर्थन प्राप्त हो सकता है। इसी तरह पाकिस्तान अज़रबैजान, यूएई और कतर जैसे देशों के साथ भी अपने संबंधों को मजबूत करने में जुटा है। इन देशों के साथ पाकिस्तान का यह बढ़ता सामरिक सहयोग उसके लिए आर्थिक और तकनीकी लाभ भी लेकर आ सकता है, जिससे भारत के लिए क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखना कठिन हो सकता है। भारत को इन परिस्थितियों में अपनी विदेश नीति को अधिक सशक्त और लचीला बनाना होगा। अब वह समय बीत चुका है जब भारत केवल पारंपरिक प्रतिद्वंद्विता और सीमित क्षेत्रीय चिंताओं के आधार पर नीति बनाता था।

इन चार राष्ट्रों का सैन्य गठबंधन भारत के लिए एक चेतावनी है कि भू-राजनीति में देशों के बीच धार्मिक एकजुटता नए रूप में सामने आ रही है, ऐसे में क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा बनी रहे, इसके लिए भारत को अपनी रक्षा क्षमताओं को मजबूत करते हुए कूटनीतिक मोर्चे पर भी सक्रिय बने रहना होगा। भारत पिछले कई वर्षों से पाकिस्तान, तुर्की और अजरबैजान को काउंटर करने के लिए अलग-अलग रणनीतियों पर काम कर रहा है। इनमें इन तीनों देशों के दुश्मनों की मदद से लेकर इन्हें आर्थिक तरीके से चोट पहुंचाना भी शामिल है। पाकिस्तान के खिलाफ भारत के कदमों से हर कोई परिचित है। अब बात करते हैं तुर्की की। भारत ने तुर्की को काउंटर करने के लिए उसके सबसे बड़े दुश्मन ग्रीस के साथ रक्षा संबंधों को मजबूत किया है। इसके अलावा भारत ने साइप्रस के मुद्दे को भी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर उठाना शुरू किया है, जिसकी जमीन पर तुर्की ने अवैध रूप पर कब्जा जमाया हुआ है। वहीं, भारत ने तुर्की को अपने बाजार में प्रवेश को लेकर भी सख्तियां बरती है।

इस सैन्य गठजोड़ के हकीकत बनने की सूरत में भारत के लिए जरूरी होगा कि वह आर्मेनिया, ग्रीस और साइप्रस के साथ अपने संबंध मजबूत करे और यूएई के साथ भी द्विपक्षीय रिश्तों को और प्रगाढ़ बनाए, जो भारत का बड़ा व्यापारिक भागीदार रहा है और आम तौर पर इस्लामिक मुद्दों पर तटस्थ रुख रखता है।आज भारत को यह मानना होगा कि सुरक्षा अब केवल हथियारों का मामला नहीं है, यह अर्थव्यवस्था, कूटनीति, और तकनीक का समन्वित प्रश्न बन चुका है। पाकिस्तान की नई चालें एवं कुचालें हमें केवल सतर्क रहने की नहीं, बल्कि सजग, सक्रिय और रणनीतिक रूप से एक कदम आगे रहने की प्रेरणा देती हैं। भारत यदि अपनी नीति में इस नए दृष्टिकोण को शामिल करता है, तो यह गठजोड़ उसके लिए खतरा नहीं बल्कि आत्मसुधार और आत्मसशक्तिकरण का अवसर साबित हो सकता है।

(लेखक के अपने विचार हैं।) -साभार

सुविचार

किसी विचार को स्वीकार किए बिना उसे मन में धारण कर पाना ही शिक्षित मस्तिष्क की निशानी है।
-अज्ञात

निशाना

चुनाव-चकल्लस..!

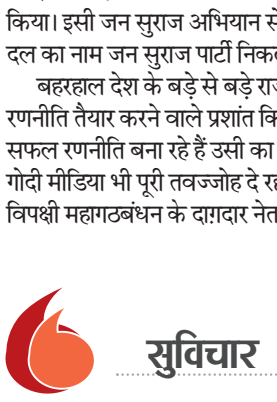

ब्रजकिशोर पटेल

डण्डा घुमा रहे हैं लोग
गिल्लियों के बीच।
चुनाव हो रहा है शेख
चिल्लियों के बीच।।
चुनाव ने भी खूब गजब चित्र दिखाये।
कुत्ते बैठे दुम दबाये बिल्लियों के बीच।
राजनीति जादूगरों की गली है दोस्त।
अंगार मिलते वर्फ की दो
सिल्लियों के बीच।
नेता तो बस गिनती के दो चार मिलेंगे।
ढेरों मिलेंगे निठल्ले
निठल्लियों के बीच।।
खेत बेचारा करे तो और क्या करे।
इल्लियां दुबकी हुई हैं
फल्लियों के बीच।
चुनाव में सब कर रहे परमार्थ की बातें।
स्वार्थ छुपके बैठ गया
झिल्लियों के बीच।।
मतदाता भी बैठा बैठा सोच रहा है।
देखना है तेल कितना
तिल्लियों के बीच।।

हेल्थ अलर्ट

गैस से राहत के लिए एंटासिड लेते हैं तो लॉन्ग टर्म में हो सकता है नुकसान

आजकल गैस, एसिडिटी और अपच जैसी समस्याएं बहुत आम हो गई हैं, खासकर गलत समय पर खराब खानपान के चलते। बहुत अधिक भारी या तला भुना खाने के बाद पेट में जलन पैदा होने लगती है और एसिड रिफ्लक्स होने लगता है, जिससे छुटकारा पाने के लिए कई लोग एंटासिड पीना पसंद करते हैं। कई लोग तो ऐसे भी हैं जो ये सोचकर कि ऐसे एंटासिड पीने से एसिडिटी नहीं होगी और खाना आसानी से डाइजेस्ट हो जाएगा इसलिए वो अक्सर इसका इस्तेमाल करने लग जाते हैं। पता ही नहीं चलता कि ऐसा करना सेहत के साथ

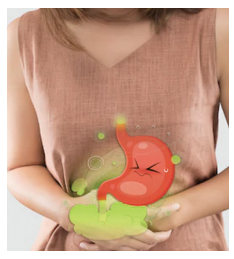

खिलवाड़ हो सकता है। वैसे तो एंटासिड कुछ सेकंड में पेट की इन तकलीफों से राहत दिला देते हैं लेकिन लॉन्ग टर्म में इनका इस्तेमाल सेहत को कई नुकसान भी पहुंचाता है। न्यूट्रिशनिस्ट श्वेता पांचाल ने इसे लेकर लोगों को आगाह करने का काम किया है।

एंटासिड के हैं बड़े नुकसानः एंटासिड ऐसी दवाइयां हैं जो पेट में अतिरिक्त एसिड को बेअसर करती हैं, जिससे सीने में जलन और अपच जैसे लक्षणों से कुछ सेकंड में ही राहत मिलती है। न्यूट्रिशनिस्ट का कहना है कि अगर आप हर बार एसिडिटी से राहत पाने के लिए एंटासिड लेते हैं तो इससे आपको तुरंत के लिए तो आराम मिल जाता है लेकिन वह चुपचाप आपके पेट, पोषक तत्वों के अवशोषण और ओवरऑल हेल्थ को बाधित कर सकती है। ये कुछ ऐसे नुकसान हैं, जो एंटासिड लेने पर हो सकते हैं। आप बेशक एंटासिड्स का सेवन पाचन को सुधारने के लिए करते होंगे, लेकिन होता इसके बिल्कुल विपरीत है। जब आप रोजाना एंटासिड का सेवन करते हैं तो आपका पेट का बैलेंस इतना डिस्टर्ब हो जाता है कि इसका असर आपके पाचन पर पड़ने लगता है और इस तरह के एंटासिड पर आपकी निर्भरता और भी बढ़ जाती है।

बीपी के मरीजों के लिए है हानिकारकः अगर आप बीपी के मरीज हैं और आप ब्लड प्रेशर की दवाइयां लेते हैं तो इस तरह के एंटासिड से आपको बचना चाहिए। क्योंकि ये शरीर में सोडियम की मात्रा बढ़ाने का काम करते हैं, जिससे ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा रहता है। आपका गट पहले से ही इन दवाइयों से ओवरलोड रहता है, ऐसे में उसके साथ जब आप एंटासिड का सेवन शुरू करते हैं तो यह आपकी सेहत के लिए रेड फ्लैग साबित होते हैं।

जड़ का नहीं हो पाता इलाजः एंटासिड्स का सेवन लोग इसलिए करना पसंद करते हैं क्योंकि इससे तुरंत समस्या से छुटकारा मिल जाता है। लेकिन इससे जो आपको समस्या है उसकी जड़ का इलाज नहीं हो पाता है, जो सबसे ज्यादा जरूरी है।

ड्राइविंग स्किल्स

कुछ सावधानियों के साथ होगी ड्राइविंग तो नहीं बिगड़ेगा कार का व्हील अलाइनमेंट

कार का व्हील अलाइनमेंट बनाए रखना बहुत जरूरी होता है। अगर यह खराब हो जाए तो कार एक तरफ भागने लगती है, जिससे कार चलाने में परेशानी होती है। आइए आपको बताते हैं कि यह क्यों खराब होता है और किन सावधानियों का अपनाकर आप इसे बिगड़ने से बचा सकते हैं। हर कार की सुरक्षित और आरामदायक ड्राइविंग के लिए व्हील अलाइनमेंट बहुत जरूरी होता है। इसका मतलब है कि पहियों को एक-दूसरे के सामानांतर और सड़क के परपेंडिकुलर सेट किया जाए। अगर अलाइनमेंट बिगड़ जाता है तो कार एक तरफ भागने लगती है, जिससे कार चलाने में परेशानी होती है। इससे न सिर्फ आपकी ड्राइविंग खराब होती है, बल्कि यह टायर और सस्पेंशन को भी नुकसान पहुंचाता है। कुछ सावधानियों के साथ व्हील अलाइनमेंट को बिगड़ने से बचा सकते हैं।

गड्ढों से तेज गाड़ी निकालना अलाइनमेंट बिगड़ने का सबसे बड़ा और आम कारण होता है। जब आप तेज रफ्तार में किसी बड़े गड्ढे या खराब सड़क पर गाड़ी चलाते हैं, तो झटके से पहियों का एंगलबिगड़ जाता है। फुटपाथ या डिवाइडर से टक्कर होने या पार्किंग करते समय या टर्न लेते समय गाड़ी के पहिए का फुटपाथ या डिवाइडर से टकराना भी व्हील अलाइनमेंट को बिगाड़ सकता है। तेज स्पीड में अचानक और तेज ब्रेक लगाने से भी पहियों पर असंतुलित दबाव पड़ता है, जिससे समय के साथ अलाइनमेंट खराब हो सकता है।

अगर आप एक ही टायर पर लगातार कम हवा के साथ ड्राइविंग कर रहे हैं या टायर सही से बैलेंस (Wheel) नहीं हैं, तो यह धीरे-धीरे अलाइनमेंट पर असर डालता है।

पुराना या खराब सस्पेंशन : अगर आपकी गाड़ी के सस्पेंशन के पुर्जे (जैसे बुशिंग या शॉक अब्जॉर्बर) पुराने या खराब हो गए हैं, तो वे पहियों को सही स्थिति में नहीं रख पाते, जिससे अलाइनमेंट बिगड़ सकता है। ड्राइव करते समय हमें गड्ढों से बचते हुए कम स्पीड रखनी चाहिए। टूटी या गड्ढों वाली सड़कों पर हमेशा गाड़ी की स्पीड धीमी रखें। गड्ढा दिखे तो जोर से ब्रेक लगाने के बजाय स्पीड कम करें और सुरक्षित तरीके से उसे पार करें। जब तक बहुत जरूरी न हो, तेज और अचानक ब्रेक लगाने से बचें। ब्रेक का इस्तेमाल हमेशा आराम से और धीरे-धीरे ही करें। पनी कार पर क्षमता से ज्यादा लोड न भरें। ज्यादा वजन सस्पेंशन पर दबाव डालता है और अलाइनमेंट को प्रभावित करता है।

गाड़ी पार्क करते समय ध्यान रखें कि आपका पहिया फुटपाथ या किसी ऊंची जगह से जोर से न टकराए।

सावधानी

एयर कंडीशनर को सर्दियों में कवर करके रखा तो गर्मियों में पड़ जाएगी मैकेनिक की जरूरत

क्या आप सर्दियों में अपने एयर कंडीशनर को स्टोर करते समय उसे कवर करने वाले हैं? अगर हां, तो आपको ठहर जाना चाहिए। दरअसल खुद सालों से AC टेकनीशियन के तौर पर काम कर रहे शैलेंद्र शर्मा इस बात की सलाह नहीं देते कि AC को अगले सीजन के लिए स्टोर करने के लिए कवर करके छोड़ा जाए। इससे ऐसी समस्याएं आ सकती हैं कि अगली गर्मियों में उसे इस्तेमाल करने से पहले रिपेयर करवाना पड़े।

गैस लीक का बड़ा कारणः AC को कवर कर देना उसमें से गैस लीक का बड़ा कारण बन सकता है। आमतौर पर भी सलाह दी जाती है कि उसे लंबे समय के लिए बंद करके ना छोड़ा जाए और सर्दियों में भी महीने में कम से कम दो बार 15-20 मिनट के लिए उसे जरूर चलाया जाए। इससे AC में मौजूद रेफ्रिजरेंट जिसे कि आम भाषा में AC की गैस कहा जाता है, वह एक्टिव अवस्था में रहती है। वहीं लंबे समय के लिए AC को बंद कर देने से यह गैस बैठ जाती है। इसके बाद जब AC को गर्मियों में चलाया जाता है, तो यह रेफ्रिजरेंट या गैस पहले ही लीक हो चुकी होती है। शैलेंद्र बताते हैं कि इस वजह से ही अक्सर गर्मियों में सर्विस होने वाले ज्यादातर AC में गैस रीफिल करनी ही पड़ती है। ऐसे में अगर आप AC को कवर करके छोड़ने वाले हैं, तो इसका सीधा सा मतलब है कि आप उसका इस्तेमाल सीधा अगले सीजन या अगली गर्मियों में करेंगे। इस वजह से यह आदत आपके AC को सुरक्षित करने की जगह नुकसान ज्यादा पहुंचा सकती है।

वायरिंग खराब होने का खतराः किसी भी विंडो या स्प्लिट AC की आउटर यूनिट को कवर करने से उसकी वायरिंग या PCB तक के खराब होने का खतरा बना रहता है। शैलेंद्र के अनुसार शहरों में अक्सर देखा गया है कि कवर किए गए AC में फिर भले वह विंडो हों या स्प्लिट, चूहे आदि अपना घर बना लेते हैं। ऐसा वे सर्दियों में अंधेरी और गर्म जगह की तलाश में रहने की वजह से करते हैं, जो कि एक कवर किया गया AC उन्हें उपलब्ध करवा देता है। इस दौरान वह AC के अंदर मौजूद वायरिंग को पूरी तरह से खराब कर देते हैं और ज्यादातर मामलों में इससे AC की PCB तक खराब हो जाती है। इसका खर्च कई बार AC की मौजूदा कीमत से आगे निकल जाता है। इस वजह से भी सर्दियों में AC को ऑन कर लेने की सलाह दी जाती है ताकि अगर उसमें किसी चूहे आदि ने जगह बना ली है, तो वह AC के ऑन होते ही तुरंत उसमें से निकल जाए।

जो लोग कंप्रेसर के काम करने का तरीका नहीं समझते उन्हें शायद यह जानकर हैरानी हो कि कवर करके छोड़ देने से अगली गर्मियों तक उसका कंप्रेसर जवाब दे सकता है।

किसान की पांच फाइलें तहसील से हुई गायब, अफसर बोले- जल्द करेंगे बरामद

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राजस्व न्यायालयों में कामकाज में तेजी लाने के उद्देश्य से प्रदेश में महाराजस्व अभियान चलाया जा रहा है, लेकिन सरकार की नीतियों के बीच जमीनी हकीकत कुछ और ही कहानी बयां कर रही है। तहसील कार्यालयों में फाइलों के गुम होने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि प्रशासनिक व्यवस्थाओं की पोल किस तरह खुल रही है। ऐसा ही एक मामला जिले की तहसील इटारसी में सामने आया है, जहां एक किसान की जमीन बंटवारे से जुड़ी पांच फाइलें रहस्यमय तरीके से गायब हो गईं। गजपुर गांव के किसान एवं कांग्रेसी नेता ज्ञानेंद्र उपाध्याय ने आरोप लगाया कि उनकी जमीन से जुड़े बंटवारा मामलों की फाइलें करीब छह महीने से नायब तहसीलदार, खंड सर्किल रामपुर के दफ्तर में पड़ी थीं। लेकिन अब उनका कोई रिकॉर्ड नहीं मिल रहा है। कई बार अफसरों से गुहार लगाने और दफ्तर के चक्कर काटने के बाद भी उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला।थक-हारकर सोमवार को उन्होंने एक अनोखा प्रदर्शन किया। उपाध्याय दफ्तर के बाहर जमीन पर बैठकर यह चेक हाथ में लिया और गुजरते वकीलों से गिड़गिड़ाते हुए कहामेरी गुम फाइलें ढूंढ दीजिए, जो फाइलें लाकर देगा उसे यह इनाम मिलेगा।

योजनाओं, अभियानों, विभागीय गतिविधियों की कलेक्टर ने की समीक्षा

मप्र स्थापना दिवस पर संस्कृति, परंपरा और विकास यात्रा को लेकर हों कार्यक्रम

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्यप्रदेश स्थापना दिवस समारोह में प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और विकास यात्रा को प्रदर्शित करने वाले कार्यक्रम आयोजित किए जाएं।जिनकी थीम विरासत से विकास तक रखी जाएगी।उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने समय सीमा की बैठक में दिए है।उन्होंने कहा है कि आगामी मध्य प्रदेश स्थापना दिवस समारोह का आयोजन गरिमापूर्ण ढंग से किया जाए। सभी विभाग प्रमुख समारोह के सफल आयोजन के लिए आवश्यक तैयारियां कर ले।

बैठक में कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अनुविभाग स्तर पर एसडीएम, एसडीओपी, टीआई और अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में बैठक कर मेडलेपर पोर्टल के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान पुलिस अधीक्षक साई कृष्णा एस. थोटा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग किसी भी प्रकार की जानकारी ऑफलाइन माध्यम से अपलोड या प्रेषित न करे। सभी मेडिको लीगल सर्टिफिकेट केवल पोर्टल के माध्यम से ही जारी किए जाएं। एसपी थोटा ने स्पष्ट किया कि इस डिजिटल व्यवस्था का उद्देश्य प्रक्रिया को सुरक्षित, पारदर्शी और जवाबदेह बनाना है। उन्होंने कहा कि ऑफलाइन प्राप्त रिपोर्ट या जानकारी पर किसी प्रकार की कार्यवाही न की जाए।

सोयाबीन के सैंपल किए जाएं एकत्रित

बैठक में भावांतर भुगतान योजना की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने कहा कि जिले की प्रत्येक मंडी में किसानों द्वारा लाए जा रहे सोयाबीन के सैंपल एकत्र किए जाएं और एसडीएम इनके अंतिम सत्यापन सुनिश्चित करें। खाद वितरण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए उन्होंने कहा कि जिले में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखते हुए खाद की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। वही सड़क मरम्मत कार्यों की समीक्षा में कलेक्टर ने सभी निर्माण एजेंसियों पीडब्ल्यूडी, एमपीआरडीसी और पीएमजीएसवाई को निर्देश दिया कि वर्षा से क्षतिग्रस्त सड़कों के कार्य शीघ्र पूर्ण हों। उन्होंने कहा कि भू अर्जन प्रकरणों का निराकरण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए और विभागों में समन्वय बनाए रखा जाए। बैठक में जिला पंचायत सीईओ हिमांशु जैन, एडीएम राजीव रंजन पांडे, अपर कलेक्टर अनिल जैन, संयुक्त कलेक्टर देवेंद्र प्रताप सिंह, डिप्टी कलेक्टर डॉ. बबीता राठौर सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर मीना ने नरवाई प्रबंधन की समीक्षा करते हुए कहा कि कृषि अभियांत्रिकी विभाग इन केंद्रों के संचालकों के साथ बैठक कर उन्हें यंत्रों के उपयोग के लिए प्रेरित करे। सभी जनपद पंचायत सीईओ ठोस कार्ययोजना बनाकर ग्रामीण क्षेत्रों में नरवाई प्रबंधन को प्रभावी बनाएं।

नर्मदा घाट पर उगते सूर्य को दिया अर्घ्य

नर्मदापुरम। चार दिवसीय आस्था और सूर्य उपासना के महापर्व छठ पूजा का आज मंगलवार को उदयाचलगामी भगवान भास्कर (सूर्य) को अर्घ्य अर्पित करने के साथ ही समापन हो गया.पूर्वांचल और उत्तर भारत से जुड़े परिवार के छठ व्रतियों ने सुबह की पहली किरणों में नर्मदा नदी के घाटों ओर नहरों पर खड़े होकर दूध, जल और मौसमी फलों से सूर्य देव को नमन किया, जिसके बाद 36 घंटे से चला आ रहा निर्जला उपवास तोड़ा गया।

प्रतिभा सम्मान समारोह में शामिल हुई सांसद

नर्मदापुरम। महाराजा जवाहर सिंह स्मारक समिति, भरतपुर के स्थापना दिवस, भामाशाह एवं जाट प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन गत दिवस को शहर में उत्साहपूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राज्यसभा सांसद माया नारोलिया उपस्थित रहीं। समारोह में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जाट समाज के होनहार युवाओं और भामाशाहों को सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में सांसद माया नारोलिया ने कहा कि समाज के युवा अपनी मेहनत, लगन और संकल्प से देश और प्रदेश का गौरव बढ़ा रहे हैं। उन्होंने उपस्थित जनसमूह से शिक्षा, एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करने का आग्रह किया। कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बाल्यान, स्थानीय विधायक शैलेश फौजदार, उद्योगपति डॉ. नरेंद्र सिंह फौजदार, समाजसेवी रज्जन सिंह तंखा, उद्योगपति देवी सिंह कुंतल, समिति अध्यक्ष सरदार सिंह तथा पूर्व मंडल अध्यक्ष विकास नारोलिया सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

लोगों को दी सरकारी योजनाओं की जानकारी

सिरोंज। अंगीकार अभियान के तहत नगर पालिका प्रबंधन द्वारा नया बस स्टैंड पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सरकार की योजनाओं के प्रचार प्रसार एवं जानकारी देने के लिए अनेक काउंटर लगाए गए थे। इसके साथ ही बैंकों के बैंकर्स भी मौके पर मौजूद थे। जो कार्यक्रम में आने वाले नागरिकों को पीएम आवास के लिए मिलने वाले लोन प्रदान की जा रही सब्सीडी से जुड़ी जानकारी दे रहे थे। इस दौरान नपाध्यक्ष मनमोहन साहू एवं उपाध्यक्ष मनोज साईंनाथ ने भी नागरिकों को केन्द्र एवं प्रदेश सरकार की योजनाओं से अवगत कराते हुए उनसे लाभान्वित लोगों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की जनहितैषी नीतियों से आज हर तबके के नागरिक खुश हैं। इस दौरान नपा सीएमओ रामप्रकाश साहू ने बताया कि कोराना काल के संकट के समय शुरू की गई पीएम स्वनिधि योजना के प्रथम लोन 10 हजार रूपए से 1700 हितग्राही लाभान्वित हुए थे।

चली सर्द हवा: शहर में काले बादलों के साथ छाई धुंध

गंजबासौदा। चार दिनों से रुक रुक कर हो रही बारिश से मौसम में। बदलाव हुआ है। जिससे लोगों को सर्दी का अहसास हुआ है। सुबह सुबह कोहरा छाने लगा है और सर्द हवाएं चलने से अचानक से मौसम बदल गया है। वहीं प्रतिदिन बारिश का दौर भी जारी है जिससे तापमान में भी गिरावट आई है। वहीं मंगलवार सुबह कोहरा छाने से वाहनों की रफ्तार धीमी कर वाहन चालकों ने सफर तय किया।

राजराजेश्वर सहस्त्रअर्जुन का भक्तों ने जन्मोत्सव मनाया

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

शहर की आनंद लाज में भगवान राजराजेश्वर सहस्त्रअर्जुन के जन्मोत्सव के अवसर पर कलचुरी समाज की महिला मंडल द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान की पूजा-अर्चना से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं ने भाग लिया। कलचुरी समाज महिला मंडल संयोजिका एवं अध्यक्ष कंचन सेठी चौकसे ने भगवान सहस्त्रबाहु के जीवन, चरित्र एवं उनके सामाजिक योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान का जीवन धर्म, न्याय और समाज-सेवा की प्रेरणा देता है।

कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के लिए कुर्सी रेस, बलून रेस, चम्मच दौड़ जैसे अनेक खेलों और प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। स्वाति चौकसे, टीना परसानिया, बबली राय, शीलू जायसवाल, लक्ष्मी चौकसे, संगीता चौकसे आदि ने विभिन्न स्थान प्राप्त किए।

अंधेरा होने के बाद भी व्यापारियों ने उपज खरीदी

सिरोंज। दो दिन के अवकाश के बाद खुली कृषि उपज मंडी में सोमवार को बंपर आवक हुई। सीजन में पहली बार हुई बंपर आवक के कारण बेगमबाग स्थित नीलामी परिसर और दशहरा मैदान दोनों ही फुल थे। इस दौरान सोयाबीन और मक्का की सबसे ज्यादा आवक थी। नीलामी के दौरान ही जब बारिश का दौर शुरू हो गया तो किसानों ने अपनी उपज को बरसाती ढांक कर बचाया। इसके बाद व्यापारियों ने अंधेरा होने के बाद भी शाम 6 बजे तक उपज की नीलामी की और इसके बाद भी करीब 100 किसानों की उपज की नीलामी नहीं हो सकी। दोपहर में नीलामी की प्रक्रिया धीमी होने से नाराज कई किसान थाने में शिकायत करने भी पहुंचे। उनका कहना था कि बारिश के बीच व्यापारी हमारी उपज की नीलामी करने से बच रहे हैं। ऐसे मौसम में हम अपनी उपज को वापस लेकर कैसे जाएंगे। इस बीच अनाज एवं तिलहन व्यापार संघ के अध्यक्ष समीर भार्गव ने बताया कि हमने किसानों की सुविधा को देखते हुए नीलामी परिसर और दशहरा मैदान में पहुंचकर उपज की नीलामी में भाग लिया है।

बैतूल के रोजगार सहायकों ने आर्थिक संकट को लेकर किया विरोध-प्रदर्शन

बैतूल, दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम रोजगार सहायकों ने सोमवार को जनपद पंचायत कार्यालय पहुंचकर प्रदर्शन किया। उन्हें पिछले चार माह से मानदेय नहीं मिला है, जिससे वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। जनपद के लगभग 72 ग्राम रोजगार सहायकों ने अपनी समस्याएं रखीं। उन्हें प्रति माह 18 हजार रुपए मानदेय मिलता है। सहायकों ने बताया कि मानदेय न मिलने के कारण वे अपने बच्चों की स्कूल फीस नहीं भर पा रहे हैं। इसके अलावा, उनके वाहनों की ईएमआई भी लंबित है। मानदेय के अभाव में दिवाली जैसे त्योहार भी फीके बीत गए। ग्राम रोजगार सहायकों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही उनके मानदेय का भुगतान नहीं किया गया, तो वे कार्य बहिष्कार जैसे कदम उठाने को मजबूर होंगे।

नहरों में पानी छोड़ने की तारीख तय सबसे पहले हरदा को मिलेगा पानी

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

रबी सीजन में किसानों की फसल सिंचाई के लिए तवा नहर से पानी छोड़ने को लेकर आयुक्त कार्यालय नर्मदापुरम में हुई संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक जो तारीखें तय हुई है उनके अनुसार सबसे पहले नहर में पानी हरदा के लिए छोड़ा जाएगा।फिर सिवनी मालवा,इटारसी ओर आखिर में सोहागपुर के किसानों को फसल के लिए पानी मिलेगा। कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी की अध्यक्षता में हुई संभागीय जल उपयोगिता समिति की बैठक में

कलेक्टर, पुलिस अधिकारी, जल संसाधन विभाग, कृषि विभाग और विद्युत विभाग के वरिष्ठ अधिकारी सम्मिलित हुए। बैठक में तय किया गया कि हरदा जिले के लिए बायीं तट मुख्य नहर से 3 नवंबर 2025 से पानी छोड़ा जाएगा। वहीं सिवनी मालवा की नहर के लिए 5 नवंबर को, इटारसी की तवा परियोजना नहर के लिए 7 नवंबर और सोहागपुर के लिए10 नवंबर से नहरों में पानी छोड़ा जाएगा।बैठक में यह भी स्पष्ट किया गया कि अगर लगातार बारिश होती है, तो इन तिथियों में परिवर्तन संभव है। जल संसाधन विभाग के मुख्य अभियंता ने बताया कि तवा जलाशय में भराव की स्थिति 100त्न है और पानी की पर्याप्त उपलब्धता बनी हुई है। साथ ही नहरों की सफाई का कार्य 50त्न तक पूरा हो चुका है। कमिश्नर ने जल संसाधन विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि पानी छोड़े जाने पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए जरूरी प्वाइंट्स पर कर्मचारियों और होमगार्ड्स की ड्यूटी लगाई जाए। साथ ही विद्युत विभाग के जीएम को निर्देश दिए कि वह नहर से पानी लेने के लिए किसानों द्वारा जो टेंपरेरी कनेक्शन लिए जाते हैं उन टेंपरेरी कनेक्शन को जल संसाधन विभाग की सहमति के बाद ही जारी किए जाएं।

मेट्रो एंकर

कांग्रेस का 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर

पटवारी ने पचमढ़ी पहुंचकर तैयारियों का लिया जायजा

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

मध्य प्रदेश के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी में 2 नवंबर से कांग्रेस पार्टी का 10 दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। इस शिविर में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की उपस्थिति प्रस्तावित है। दोनों वरिष्ठ नेता प्रदेश के 71 जिला कांग्रेस अध्यक्षों को संगठनात्मक प्रशिक्षण देंगे। शिविर में पार्टी के राष्ट्रीय नेता संगठन को मजबूत करने के तौर-तरीके सिखाएंगे। इसी दौरान राहुल गांधी 'संगठन सर्जन अभियान' की शुरुआत करेंगे, जिसके माध्यम से जिला अध्यक्षों को उनके अधिकार और जिम्मेदारियों के बारे में बताया जाएगा। हालांकि खड़गे और राहुल गांधी की पचमढ़ी आगमन की तारीख अभी तय नहीं हुई है, लेकिन तैयारियां जोरों पर हैं।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने सोमवार को पचमढ़ी पहुंचकर शिविर की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने होटल हाइलैंड में पार्टी कार्यकर्ताओं की बैठक लेकर कार्यक्रम के सुचारू संचालन के लिए सभी को जिम्मेदारियां सौंपीं।पीसीसी अध्यक्ष पटवारी के साथ पूर्व मंत्री सुखदेव पांसे,वरिष्ठ कांग्रेस नेता महेंद्र जोशी,पूर्व विधायक संजय शर्मा,नर्मदापुरम जिला अध्यक्ष शिवाकांत पाण्डेय उपस्थित रहे। कांग्रेस का यह उच्चस्तरीय प्रशिक्षण शिविर आगामी संगठनात्मक रणनीतियों और चुनावी तैयारी के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हिल स्टेशन पचमढ़ी जाते समय प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने पिपरिया के डबल लॉक गोदाम में भीड़ देखकर किसानों के बीच पहुंच गए. यहां प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने किसानों की समस्या सुनी और सीधे कृषि मंत्री और मुख्यमंत्री को सोशल मीडिया के माध्यम से लाइव संबोधित कर परेशान किसानों की वास्तविकता बताई।

खाद के साथ जबरदस्ती दे रहे थे नैनो यूरिया की बॉटल, विरोध हुआ तो वितरण बंद करवाया

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

खाद को लेकर किसानों की परेशानी खत्म नहीं हो पा रही। बारिश होने के बाद खाद की मांग और अधिक बढ़ गई है। जिसके चलते सोमवार को तहसील रोड पर स्थित खाद गोदाम पर सुबह से ही किसानों की भीड़ लग गई थी। यहां किसानों को ऑनलाइन टोकन के आधार पर खाद प्रदान किया जा रहा था। लंबी कतार में खड़े किसानों का कहना था कि भीतर बैठे अधिकारी लोगों को देख देख कर खाद वितरित कर रहे हैं। ऐंचदा के किसान नीरज ने बताया कि सुबह से कतार में लगा हूं और अब शाम के चार बज गए हैं लेकिन खाद नहीं मिला। भीतर जो लोग बैठे हैं वे उनकी सुनवाई कर रहे हैं। जो उन्हें रूपए दे रहे हैं। जैसे ही रूपए मिलते हैं। वे उस किसान की आवाज ही लगा देते हैं। इस दौरान किसानों को खाद की बोरियों के साथ नैनो यूरिया की बॉटल भी थमाई जा रही थी। जो किसान इन बॉटलों को लेने से मना कर रहे थे। उन्हें खाद देने से मना किया जा रहा था। मजबूरी में किसानों को 250 रूपए देकर में बॉटल लेना पड़ रही थी। जब इसकी जानकारी कांग्रेस नेता सुरेन्द्र रघुवंशी को मिली तो वे खाद गोदाम पर पहुंच गए और जबदरस्ती दिए जा रहे नैनो यूरिया की बॉटल का विरोध किया। विरोध के बीच किसानों ने प्रभारी कृषि विस्तार अधिकारी अनुज धाड़क से जानकारी ली। किसानों का कहना था कि खुद केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने किसानों को नैनो यूरिया की बॉटल जबरदस्ती देने से मना किया है। इसके बाद यहां पर बॉटल दी जा रही है। किसानों का विरोध देखते हुए गोदाम प्रभारी नैनो यूरिया का वितरण भी बंद कर दिया। इस बीच वे किसान खुद को ठगा महसूस कर रहे थे। जिन्होंने 250 रूपए देकर जबरदस्ती नैनो की बॉटल ली थी।

पति की मौत के बाद जमीन से नाम कटवाने का आरोप

जनपद सदस्य की कार पर गुस्साई महिला ने पत्थर से की तोड़फोड़

सागर, दोपहर मेट्रो

जनपद पंचायत कार्यालय परिसर में उस समय हड़कंप मच गया जब कार्यालय के सामने खड़ी कार में एक महिला ने पत्थर से तोड़फोड़ कर दी। कार जनपद पंचायत सदस्य राघवेंद्र सिंह लोधी की थी. महिला ने पत्थर मारकर कार के शीशे और बोनट को क्षतिग्रस्त कर दिया। तोड़फोड़ करने के दौरान मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई और समझाइश देकर महिला को शांत कराया। महिला ने अपना नाम क्रांति बाई निवासी ग्राम सड़ेरी बताया।

उन्होंने आरोप लगाया कि जनपद सदस्य राघवेंद्र सिंह ने हमारी जमीन से नाम कटवा दिए हैं। महिला का कहना है कि कलेक्टर से लेकर एसपी के यहां तक शिकायत कर चुकी हूं। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है. जमीन जोतने जाओ तो वह लोग मारने के लिए खड़े रहते परेशान हो गई हूं। महिला ने आरोप लगाया उनके पति वीर सिंह की मौत के बाद जमीन का फौती नामांतरण हुआ था। पति के नाम पर कुल 2 एकड़ जमीन थी, जिसमें वारिस के तौर पर उनका बेटा, बेटी और वह खुद हकदार हैं। क्रांति बाई का आरोप है कि ये जमीन उनके नाम पर नहीं की गई। जेठानी के लड़के के नाम पर जमीन करा दी गई। पूछने पर वे कहते हैं मैंने नाम नहीं कटवाया, जबकि हमारे पास लिखित है। क्रांति बाई का आरोप है कि जनपद सदस्य ने साजिश करके जमीन दूसरों के नाम करा दी। उन्होंने जनपद सदस्य को अपना रिश्तेदार भी बताया। जनपद सदस्य लोधी ने बताया मैं जनपद परिसर में ही था। महिला ने मुझे बुलाया तो मैं गया और पूछा बताओ काकी क्या काम है? इस पर उन्होंने कहा कि जमीन से मेरा नाम हटवा दिया है। इस पर मैंने उनसे कहा कि नाम तो पटवारी, तहसीलदार चढ़ाएंगे। इस पर वे बहस करने लगीं तो मैं वहां से चला गया। इसके बाद उन्होंने मेरी गाड़ी को नुकसान पहुंचाया इसको लेकर मैंने गोपालगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। हमारा उनसे कोई रिश्ता नहीं है, मेरा उनसे कोई विवाद नहीं। मेरा कोई दस्तावेज भी उनके किसी नामांतरण में नहीं लगा है। इन्होंने जो शिकायत लिखी है, उसमें भी मेरा नाम नहीं है।

बस ने पैदल जा रही महिला को कुचला, मौत

सागर, दोपहर मेट्रो

सुरखी थाना क्षेत्र के ग्राम खमकुआं में गत दिवस सड़क हादसे में पैदल जा रही एक महिला को तेज रफ्तार यात्री बस ने कुचल दिया महिला की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने बस को रोक कर चालक को पकड़ लिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और बस चालक को गिरफ्तार कर बस को जब्त कर थाना परिसर में खड़ा कराया गया. सुरखी पुलिस के अनुसार सुनीता पति राजेश यादव, 40 वर्ष निवासी ग्राम खमकुआं अपने बेटे के साथ पैदल खेत जा रही थी। इसी दौरान पीछे से आई यात्री बस चालक लापरवाही पूर्वक बस चलाकर महिला को रौंद दिया। हादसे के दौरान मृतिका का बेटा उसके पीछे था, जिसके कारण वह बच गया। पुलिस ने बस चालक आरोपी आरिफ पिता नवाब खान, निवासी कोटीखुर्द, थाना सुनवाहा, जिला रायसेन को अभिरक्षा मे लिया है। मामले में मर्ग कायम करते हुए पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि बस का स्थाई परमिट नहीं था।

गोटेगांव बायपास पर बस और कार में टक्कर

नरसिंहपुर, दोपहर मेट्रो

जिले के गोटेगांव बायपास पर एक स्कूली बस और कार की टक्कर हो गई। यह हादसा रामनिवारी गांव के पास हुआ। गनीमत रही कि दोनों वाहनों में सवार किसी को भी चोट नहीं आई और एक बड़ा हादसा टल गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, कार चालक ने अचानक सामने आई मोटरसाइकिल को बचाने की कोशिश में वाहन से नियंत्रण खो दिया। बेकाबू कार सीधे स्कूल बस क्रमांक एमपी 49 पी 0322 से जा टकराई। इस टक्कर में कार का दाहिना हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया।

कौन बनेगा करोड़पति की सीट पर आज अतुल

तेंदूखेड़ा। नगर के गौरव अतुल खत्री आज देश के सबसे लोकप्रिय ज्ञानवर्धक टीवी शो कौन बनेगा करोड़पति की हॉट सीट पर नजर आएंगे। सोनी टीवी पर प्रसारित होने वाले इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम में अतुल खत्री अपनी बुद्धिमत्ता, आत्मविश्वास और शांत स्वभाव से दर्शकों का दिल जीतेंगे। अतुल खत्री ने अपने क्षेत्र तेंदूखेड़ा का नाम रोशन करते हुए यह सिद्ध कर दिया है कि लगन, मेहनत और ज्ञान से कोई भी ऊँचाइयों को छू सकता है। शो में वे मेजबान अमिताभ बच्चन के साथ सवालों के जवाब देते हुए अपने जीवन के अनुभव भी साझा करेंगे। पीएचई विभाग में मैकेनिक के पद पर पदस्थ आनंदीलाल खत्री के सबसे छोटे पुत्र है उनके दो बड़े भाई एवं एक बहिन आर्म्स फोर्स मै पदस्थ है वार्ड क्रमांक 11 के निवासी हैं उन्होंने 12 सवालों के सही जवाब देकर 12लाख 50 हजार रुपए जीते हैं 25 लाख के सवाल पर वे क्यूट कर गए। तेंदूखेड़ा के लोगों में इस अवसर को लेकर उत्साह का माहौल है। सभी लोग अपने प्रिय बेटे, भाई और मित्र अतुल खत्री को टीवी स्क्रीन पर देखने के लिए उत्सुक हैं।

बच्चों को दी साइबर अपराध की जानकारी

तेंदूखेड़ा। साइबर क्राइम में स्कूली बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए दमोह पुलिस अधीक्षक श्रुतकीर्ति सोमवंशी के नेतृत्व में जिलेभर में जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें जबेरा तेंदूखेड़ा सहित जिले के सभी थाना क्षेत्र की पुलिस टीमें स्कूलों में पहुंचकर छात्र छात्राओं को साइबर क्राईम के बारे में जानकारी दें रही है इसी बीच सोमवार को तेजगढ़ हाईस्कूल में तेजगढ़ पुलिस द्वारा छात्र छात्राओं को साइवर क्राईम से सावधान रहने साइवर अपराधो से बचने व साइवर संबंधित सहित अन्य उपाय बताये इस दौरान थाना प्रभारी ने इंटरनेट सुरक्षा ओटीपी से जुड़ी सावधानियां डिजिटल धोखाधड़ी सहित विभिन्न जानकारी बच्चों को दी साथ ही तेंदूखेड़ा एसडीओपी डीएस ठाकुर ने हेलमेट को लेकर भी जानकारी दी। इस मौके पर तेंदूखेड़ा एसडीओपी डीएस ठाकुर,तेजगढ़ थाना प्रभारी अरविंद सिंह, एएसआई सत्येंद्र सिंह राजपूत, आरक्षक उमेश आरक्षक रौनक पटेल, प्रियंका दुबे, प्राचार्य अनरत सिंह, संतोष प्रधान मयंक विश्वकर्मा सहित शिक्षक शिक्षिकाओं व छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रहीं।

पुलिस ने चोर गिरोह का किया पर्दाफाश

तेंदूखेड़ा। थाना तेजगढ़ पुलिस द्वारा दो अलग-अलग प्रकरणों में प्रभावी कार्यवाही करते हुए मोटर साइकिल चोरी एवं ट्रैक्टर किराये पर लेकर धोखाधड़ी कर बेचने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। मोटर साइकिल चोरी का मामला बंजरयाऊ निवासी रामसहाय के घर के बाहर खड़ी मोटर साइकिल अज्ञात चोर द्वारा चोरी कर ली गई थी। इस संबंध में थाना तेजगढ़ में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान प्राप्त मुखबिर सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने संदेही राज पिता विनोद वंशवर्ती निवासी चंडी चौपरा एवं वीरू उर्फ वीरेन्द्र पिता रेवाराम बसोर निवासी तेजगढ़ को अभिरक्षा में लेकर पूछताछ की। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने उक्त मोटर साइकिल ग्राम बंजरयाऊ से चोरी की थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार पूछताछ जारी है।

सरकारी भूमि में क्रेशर संचालन के विरोध में गोंगपा ने कलेक्टर कार्यालय घेरा

पांदुर्णा, दोपहर मेट्रो

तहसील के टेमनीकला में शासकीय भूमि पर क्रेशर निर्माण के विरोध में ग्रामीणों और गोंडवाना गणतंत्र पार्टी के पदाधिकारियों ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव किया। टेमनीकला के श्रीधर हुनकर ने बताया कि यह भूमि मवेशियों के लिए आरक्षित है। हालांकि, इस भूमि के खसरा क्रमांक 47 पर शाम पिता किशोर साहू द्वारा क्रेशर संचालित करने की बात सामने आई है। ग्रामीणों का कहना है कि प्रस्तावित क्रेशर स्थल से मात्र 100 फीट की दूरी पर गांव बसा हुआ है।

औबेदुल्लागंज में आशा कार्यकर्ताओं का फूटा गुस्सा बीएमओ पर शोषण और गुमराह करने का आरोप

औबेदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के बाहर सोमवार 27 अक्टूबर को आशा कार्यकर्ताओं ने जमकर विरोध प्रदर्शन किया। दर्जनों की संख्या में पहुँचीं आशा कार्यकर्ताओं ने वेतन दो, न्याय दो के नारे लगाते हुए बीएमओ के खिलाफ मोर्चा खोल दिया।

गौरतलब है कि औबेदुल्लागंज ब्लॉक अंतर्गत करीब 210 आशा कार्यकर्ता कार्यरत हैं, जो गांव-गांव जाकर टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की जांच और स्वास्थ्य योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे अहम कार्य करती हैं। ये स्वास्थ्य तंत्र की जमीनी रीढ़ हैं, लेकिन इसके बावजूद इन मेहनतकश कार्यकर्ताओं को महीनों तक मानदेय नहीं मिलता, और जो मिलता है वह भी अधूरा। आशाओं का आरोप है कि तीन-चार महीने तक वेतन नहीं मिलने के बाद भी उनसे लगातार सेवाएं ली जा रही हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हुई। जब उन्होंने कार्यालय

पहुंचकर आवाज उठाई तो सूत्रों के अनुसार, बीएमओ ने उन्हें अनुशासनात्मक कार्रवाई और एफआईआर की धमकी तक दे डाली। बीएमओ की ओर से मानदेय न मिलने का कारण तकनीकी खराबी बताया गया, लेकिन आशा कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह सिर्फ़ गुमराह करने का बहाना है। सूत्रों के अनुसार, पूरे मामले में खंड चिकित्सा अधिकारी और प्रभारी के बीच मिलीभगत की बात भी सामने आ रही है। आशाओं ने आरोप लगाया कि वरिष्ठ अधिकारी न केवल उनकी समस्याएं अनदेखी कर रहे हैं, बल्कि डर दिखाकर आवाज़ दबाने का प्रयास कर रहे हैं। आशा कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही लंबित मानदेय और सम्मानजनक व्यवहार नहीं मिला तो वे आंदोलन को और तेज़ करेंगी।

बीएमओ अमृता जीवनें ने बताया कि आशाओं का कहना सही हैं हमारे यहां बीपीएम और वेम जो वेरिफिकेशन करते हैं उन्होंने बताया 2 माह जून और सितम्बर का वेतन रुका हुआ हैं। मेने सबको बताया हैं सारी फाइलें दिखाई हैं सबको संतुष्ट किया हैं और उनसे कहा हैं समय पर अपनी पास बुक अपडेट कराएं।

उगते सूर्य को दिया अर्घ्य, मंगलकामना के साथ छठ पूजन संपन्न

ओबैदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

नगर के भोजपुरी समाज के तत्वाधान में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सूर्य उपासना के लोकपर्व छठ महापर्व का भव्य आयोजन निर्धारित छठ घाट पर श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुआ। भोर में उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर व्रती माताओं-बहनों ने चार दिनों तक चले इस पर्व का समापन किया। भोजपुरी समाज ओबैदुल्लागंज के संस्थापक स्वर्गीय श्री रमाशंकर जायसवाल ने इस आयोजन की परंपरा की शुरुआत की थी, जिसे समाज ने वर्षों से जीवित बनाए रखा है। वर्तमान अध्यक्ष गणेश जयसवाल ने बताया कि संध्या काल में डूबते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत की प्रक्रिया प्रारंभ की गई थी, जो आज प्रातः उगते सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर संपन्न हुई। इस अवसर पर व्रतधारी माताओं-बहनों के लिए सुविधायुक्त

बैठक व्यवस्था की गई तथा पूरे विधि-विधान के साथ पूजा संपन्न कराई गई। कार्यक्रम में नगर परिषद अध्यक्ष लक्ष्मी सोनू चौकसे सहित नगर के अनेक गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता निभाई और समाज की एकता एवं समृद्धि की मंगलकामनाएं कीं।

छठ का आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व

छठ महापर्व सूर्य देव और माता षष्ठी की उपासना का पर्व है, जो उत्तर-पूर्व भारत विशेषत : बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अत्यंत श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया जाता है। यह पर्व शुद्धता, आत्मसंयम और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। चार दिनों तक चलने वाले इस व्रत में 36 घंटे का निर्जला उपवास रखा जाता है। माना जाता है कि सूर्य उपासना से आरोग्य, संतान-सुख और जीवन में ऊर्जा की प्राप्ति होती है। नगर में आयोजित यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र रहा बल्कि सामाजिक समरसता और सामूहिक भावना का भी प्रतीक बन गया।

ट्रैक्टर से टकराया बाइक सवार, गंभीर

तेंदूखेड़ा। नगर के रेस्ट हाऊस के सामने एक तेज रफ्तार बाइक सवार ट्रैक्टर से टकराने से गंभीर रूप से घायल हो जाने का घटनाक्रम सामने आया है घटना की सूचना लोगों द्वारा पुलिस को दी गई घटना के संबंध में मिली जानकारी अनुसार राजा पिता छोटेलाल यादव निवासी पौड़ी चौपरा थाना नोहटा है जो कि बाइक से चौराई के समीप डीजल लेने गया था जहां से वापस डीजल लेकर खकरिया गांव जा रहा था लेकिन तारादेही मार्ग पर स्थित रेस्ट हाउस के समीप ट्रैक्टर से टकरा गया और गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लाया गया जहां पर डॉक्टरों द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने के चलते घायल युवक को जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है वहीं पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

नकली डीएपी खाद जब्त

सागर, दोपहर मेट्रो

एक तरफ जहां खाद को लेकर मारामारी मची है वहीं अब नकली डीएपी खाद का मामला सामने आया है। ग्राम मुढ़िया से संदिग्ध नकली डीएपी खाद जब्त की गई है। कलेक्टर संदीप जी आर के निर्देशानुसार राजस्व विभाग एवं खुरई पुलिस द्वारा संयुक्त रूप से की गई बड़ी कार्रवाई में ग्राम मुढ़िया से संदिग्ध नकली डीएपी खाद जब्त की गई। 26 अक्टूबर की रात लगभग 11:15 बजे ग्राम मुढ़िया के एक मकान में ट्रॉली में लदा हुआ डीएपी आरक्षक धीरेन्द्र सिंह एवं प्रधान आरक्षक मुन्नालाल राज द्वारा पकड़ा गया। गवाहों एवं अधिकारियों के समक्ष गेरेज का ताला खुलवाया गया एवं ट्रेक्टर की चाबी ली गई। ट्रॉली में इफको कंपनी की लगभग 46 बोरी डीएपी खाद लदी हुई थी। जिसका कोई बिल नहीं था। उक्त खाद को पुलिस द्वारा जब्त किया गया एवं ट्रैक्टर चालक महेन्द्र सिंह लोधी एवं राजेन्द्र अहिरवार द्वारा ट्रेक्टर को थाना खुरई शहरी लाया गया।

मेट्रो एंकर कांग्रेस सेवादल परिवार का 75 वां ध्वज वंदन कार्यक्रम

हमें दोहरी लड़ाई लड़नी है झूठ, नफरत और अपने आलस्य के खिलाफ: बिलथरे

सागर, दोपहर मेट्रो

शहर कांग्रेस सेवादल परिवार का मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम पंतनगर वार्ड, काकागंज वार्ड और सूबेदार वार्ड के संगम स्थल गोला कुआं पर राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित सेवानिवृत्त शिक्षक अवध बिहारी बिल्थरे के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में सेवादल के महासचिव विजय साहू उपस्थित रहे। इस अवसर पर बिल्थरे ने कहा कि कांग्रेस सेवादल परिवार ने आजादी की लड़ाई से लेकर आज तक देश के लोगों के दिलों में सेवा,समर्पण और एकता का दीप जलाए रखा है। सेवादल का मतलब ही है सेवा के माध्यम से देशभक्ति। सेवादल आज भी वही है,वहीं आत्मा,वहीं जज्बा वहीं निष्ठा। फर्क बस इतना है कि अब हमें दोहरी लड़ाई लड़नी है एक झूठ और नफरत के खिलाफ,और दूसरी अपने आलस्य के खिलाफ। उन्होंने देश, प्रदेश और शहर की समस्याओं को लेकर भी अपनी चिंता जाहिर की। कार्यक्रम के आयोजक शहर कांग्रेस सेवादल

अध्यक्ष सिंटू कटारे ने 75 वें मासिक ध्वज वंदन कार्यक्रम के आयोजन पर सभी कांग्रेस जनों का आभार व्यक्त किया और संकल्प लिया कि अगर 100 वां आयोजन करने का मुझे मौका मिला तो वह आयोजन ऐतिहासिक होगा।

कार्यक्रम का संचालन द्वारका चौधरी ने किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी रामनाथ यादव,प्रदीप गुप्ता, लक्ष्मीनारायण सोनकिया, औंकार साहू,राजाराम सरवैया,डॉ.दिनेश पटेरिया,चमन अंसारी,वसीम खान,हरिश्चंद्र सोनवार,योगराज कोरी,नितिनपचौरी,प्रीतम यादव,लल्ला ,लकी आदि मौजूद थे।

कार्यालय थाना प्रभारी थाना कोतवाली नगरीय पुलिस भोपाल (म.प्र.)

मांगंक्रं.-थाप्र/कोत/भो/डी-18/2025 दिनांक 23/10/2025

जाहिर सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना कोतवाली भोपाल के मर्ग क्रमांक 18/2025 में मृतक अज्ञात पुरुष उम्र करीबन-65.70 साल जिसका हुलिया रंग सांवला कद 5.6 इंच शरीर मध्ययम, दाढ़ी, मूंछ बढ़ी हुई सफेद, सिर के बाल सफेद। मृतक बीमार होकर पुलिया से भिखारी जैसा प्रतीत होता है। मृतक के दाहिने हाथ कोहिनी से कटा हुआ है मृतक शरीर पर नीले वा लाल सफेद रंग की धारीयों वाली फुल अस्तीन की शर्ट पहने है वा सफेद रंग का लोअर पहने है। अवस्था में मिला है जिसका फोटो उपरोक्तानुसार है। यदि मृत व्यक्ति व उसके परिजनों के संबंध में कोई जानकारी हो या इसके परिजन हो तो थाना कोतवाली भोपाल में आकर संपर्क करें अथवा दूरभाष क्रमांक 0755-2677309 अथवा 0755-24443220 जांचकर्ता सउनि वासुदेव परते के मोबा. नं. 9098841354 अथवा थाना प्रभारी कोतवाली भोपाल के मोबा. नं.7587601981 पर तत्काल संपर्क करें।

थाना प्रभारी
थाना कोतवाली भोपाल

जी-20552/25

सिडनी के मैदान में कैच लपकने के दौरान तिल्ली में लगी चोट हो सकती थी जानलेवा

चोटिल होने के बाद ड्रेसिंग रूम में बेहोश हो गए थे श्रेयस

सिडनी, एजेंसी

भारतीय वनडे टीम के उपकप्तान श्रेयस अय्यर पिछले दो दिन से सिडनी के अस्पताल के गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में भर्ती थे। रिपोर्ट में आंतरिक रक्तस्राव का पता लगने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे मैच के दौरान उनकी पसलियों में चोट लग गई थी। यह चोट उस समय लगी जब वह बैकवर्ड प्वाइंट से पीछे की ओर दौड़ते हुए कैच ले रहे थे।

बीसीसीआई ने दिया था अपडेट- सूत्रों के अनुसार 31 वर्षीय अय्यर ड्रेसिंग रूम में बेहोश भी हो गए थे। उन्हें तुरंत अस्पताल पहुंचाया गया। स्कैन से पता लगा कि उन्हें आंतरिक चोट लगी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने सोमवार को श्रेयस की फिटनेस अपडेट देते हुए कहा था कि श्रेयस की बाएं पसली के निचले हिस्से में चोट है। उन्हें आगे की जांच के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। स्कैन से पता चला कि उनकी तिल्ली में चोट लगी है। हालत स्थिर है पर चोट जानलेवा साबित हो सकती थी। अब वह स्वस्थ हो रहे हैं। बोर्ड की मेडिकल टीम

सिडनी और भारत के विशेषज्ञों के परामर्श से उनकी स्थिति पर कड़ी नजर रख रही है।

बोर्ड की मेडिकल टीम की तत्परता आई काम- भारतीय टीम के डॉक्टर श्रेयस की दैनिक प्रगति का आकलन करने के लिए उनके साथ सिडनी में रहेंगे। सूत्र ने कहा, श्रेयस की स्थिति को देखते हुए उन्हें कुछ दिनों तक निगरानी में रखा जा सकता है, क्योंकि रक्तस्राव के कारण संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए ऐसा करना जरूरी है। अय्यर की स्थिति का आकलन करने के बाद बोर्ड की मेडिकल टीम ने उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती करने का फैसला किया। मेडिकल टीम की तत्परता काम आई। उन्हें तुरंत इलाज मिल पाया। फिट घोषित होने के बाद ही वह भारत वापसी करेंगे। वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम का हिस्सा नहीं हैं।

आईसीयू से बाहर आए श्रेयस

श्रेयस अय्यर आईसीयू से बाहर आ गए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रेयस अय्यर को आईसीयू से बाहर लाया गया है। हालांकि, उनकी हालत नाजुक है लेकिन स्थिर बनी हुई है। बताया जा रहा है कि श्रेयस के माता-पिता उन्हें देखने के लिए जल्द ऑस्ट्रेलिया जा सकते हैं। इन्होंने तत्काल वीजा के लिए आवेदन भी कर दिया है।

महिला विश्व कप के बीच भारत को झटका, प्रतिका रावल सेफा से बाहर

नई दिल्ली। भारत को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल मैच से पहले बड़ा झटका लगा है। सलामी बल्लेबाज प्रतिका रावल गुरुवार को नवी मुंबई स्थित डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाने वाले निर्णायक मुकाबले से बाहर हो गई हैं। 26 अक्टूबर को बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबले के 21वें ओवर में प्रतिका बाउंड्री रोकने की कोशिश में अपना टखना चोटिल करवा बैठीं। इसके बाद उन्हें फिजियो और टीम की साथियों की मदद से मैदान से बाहर ले जाया गया। उनकी गैरमौजूदगी में अमनजोत कौर को उप-कप्तान स्मृति मंधाना के साथ बतौर सलामी बल्लेबाज भेजा गया। हालांकि, बारिश के चलते यह मुकाबला बेनतीजा रहा। जानकारी मिली है कि चोटिल होने के बाद प्रतिका को स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया। सूत्रों ने बताया, ÷अभी आधिकारिक बयान आना बाकी है, लेकिन शुरुआती अनुमानों से ऐसा नहीं लगता कि प्रतिका सेमीफाइनल खेलेंगी। बांग्लादेश के खिलाफ उन्हें जिस तरह की चोट लगी थी, उसे देखते हुए तीन दिनों में इतने अहम मैच के लिए फिट होना बेहद मुश्किल है। अगर वह शेष विश्व कप से भी बाहर हो जाती हैं, तो इसमें कोई आश्चर्य नहीं होगा।÷ प्रतिका रावल इस विश्व कप सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में दूसरे पायदान पर हैं। उन्होंने 7 मुकाबलों की 6 पारियों में 51.33 की औसत के साथ 308 रन जुटाए हैं। अगर प्रतिका विश्व कप से बाहर हो जाती हैं, तो भारतीय टीम मैनेजमेंट मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहम मुकाबले से पहले चोटिल खिलाड़ी के विकल्प की तलाश करेगा।

कोहली के साथ साझेदारी पर भी रखी राय

रोहित ने ऑस्ट्रेलिया में सफलता का श्रेय अपनी तैयारी को दिया

सिडनी, एजेंसी

भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा का बल्ला ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जमकर चला और उन्होंने टीम में अपनी उपयोगिता भी साबित की। रोहित ने 223 दिनों बाद भारतीय टीम के लिए कोई मैच खेला था। पर्थ में रोहित सस्ते में आउट हो गए थे, लेकिन एडिलेड वनडे में उन्होंने अर्धशतक लगाया था, जबकि सिडनी में उन्होंने नाबाद शतकीय पारी खेल भारत को क्लीन स्वीप से बचा लिया था।

रोहित बने थे प्लेयर ऑफ द सीरीज- रोहित मई में आईपीएल 2025 के बाद कोई प्रतिस्पर्धी क्रिकेट नही खेले थे। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर आने से पहले कड़ा अभ्यास किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया में सफलता का श्रेय इसी तैयारी को दिया। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ सीरीज 2-1 से अपने नाम की, लेकिन भारतीय प्रशंसकों को रोहित और विराट कोहली के बल्ले से रन निकालता देखने से खुशी मिली। रोहित को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था।

रोहित बोले- समझ आया शेष करियर में क्या करना है

रोहित ने बीसीसीआई वेबसाइट से कहा, जब से मैंने खेलना शुरू किया है मेरे पास कभी भी किसी सीरीज की तैयारी के लिए चार से पांच महीने नहीं होते थे, इसलिए मैं इसका उपयोग करना चाहता था। मैं चीजों को अपने तरीके से, अपनी शर्तों पर करना चाहता था और यह वास्तव में मेरे लिए अच्छा रहा क्योंकि मुझे समझ में आया कि मुझे अपने बाकी करियर के लिए क्या करने की जरूरत है। उस समय का उपयोग करना महत्वपूर्ण था क्योंकि जैसा कि मैंने कहा कि मेरे पास इतना समय पहले कभी नहीं था और मैंने घर पर अच्छी तैयारी की थी। यहां और स्वदेश की परिस्थितियों में अंतर है लेकिन मैं ऑस्ट्रेलिया कई बार आ चुका हूं इसलिए यह बस उस लय में आने के बारे में था।

कोहली के साथ खेलने के अनुभव का किया इस्तेमाल

उन्होंने कहा, इसलिए मैंने यहां आने से पहले जिस तरह से तैयारी की उसे बहुत श्रेय देता हूं। खुद को बहुत समय दिया। यह बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि कभी-कभी आपको यह समझने की जरूरत होती है कि पेशेवर रूप से आप जो करते हैं उसके अलावा जीवन में बहुत कुछ करना है लेकिन मेरे पास बहुत समय था और इसलिए मैंने इसका उपयोग किया। रोहित ने लंबे समय से अपने साथी रहे विराट कोहली के साथ मैच जिताऊ साझेदारी की और इसे लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, जाहिर है दो नई गेंदों के साथ यह थोड़ा चुनौतीपूर्ण था। शुरुआत में खेलना थोड़ा मुश्किल था लेकिन हमें पता था कि एक बार गेंद की चमक खत्म हो जाने के बाद यह थोड़ा आसान हो जाएगा। काफी लंबे समय के बाद कोहली के साथ शानदार साझेदारी। मुझे लगता है कि हमने लंबे समय से 100 रन की साझेदारी नहीं की थी। एक टीम के नजरिए से एक समय हमारी स्थिति को देखते हुए यह साझेदारी करना अच्छा था। उन्होंने कहा, शुभमन गिल थोड़ा जल्दी आउट हो गए और हमें पता था कि चोटिल श्रेयस अय्यर के नहीं होने से बल्लेबाजों पर अतिरिक्त जिम्मेदारी आ गई है। हमने मैदान पर बिताए हर पल का आनंद लिया, हम दोनों के बीच खूब बातें हुईं। हमने साथ में बहुत क्रिकेट खेला है। हम एक-दूसरे को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। हम दोनों के बीच बहुत अनुभव है और हमने इसका बखूबी इस्तेमाल किया।

पृथ्वी शॉ ने लगाया रणजी ट्रॉफी इतिहास का दूसरा सबसे तेज दोहरा शतक

चंडीगढ़। भारत के सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ रणजी ट्रॉफी एलीट में दूसरा सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। महाराष्ट्र की ओर से खेलते हुए शॉ ने चंडीगढ़ के खिलाफ दूसरी पारी में सिर्फ 141 गेंदों में यह कारनामा किया। पृथ्वी शॉ ने 156 गेंदों में 5 छक्कों और 29 चौकों के साथ नाबाद 222 रन बनाए। रणजी इतिहास में सबसे तेज दोहरा शतक जड़ने के मामले में शॉ से आगे सिर्फ रवि शास्त्री हैं, जिन्होंने 1984-85 सीजन में बड़ौदा के खिलाफ बॉम्बे की ओर से खेलते हुए 123 गेंदों में दोहरा शतक पूरा किया था।

प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सबसे तेज दोहरा शतक लगाने वाले भारतीयों के मामले में हैदराबाद के सलामी बल्लेबाज तन्मय अग्रवाल शीर्ष पर हैं, जिन्होंने जनवरी 2024 में रणजी ट्रॉफी प्लेट टूर्नामेंट के दौरान सिर्फ 119 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी। इस मुकाबले में टॉस जीतकर चंडीगढ़ ने पहले गेंदबाजी का फैसला किया। महाराष्ट्र की टीम अपनी पहली पारी में महज 313 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए ऋतुराज गायकवाड़ ने 163 गेंदों में 116 रन की पारी खेली, जिसमें 15 चौके शामिल थे। उनके अलावा, सौरभ नवाले ने 66, जबकि अर्शिन कुलकर्णी ने 50 रन का योगदान टीम के खाते में दिया।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

जन्नत फेम की मिर्जापुर: द फिल्म में एंट्री, मेकर्स बोले- आपके अभिनय का जादू देखने हम बेताब

जन्नत फेम अभिनेत्री सोनल चैहान की एंट्री मिर्जापुर: द फिल्म में हो गई है। इसकी जानकारी मेकर्स ने सोशल मीडिया के जरिए दी। सोनल ने भी टीम को थैंक्स कहते हुए एक पोस्ट किया है। अभिनेत्री सोनल चैहान को 'जन्नत' और 'आदिपुरुष' जैसी फिल्मों में काम करने के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक शानदार गिफ्ट हैंपर और प्रोडक्शन हाउस के एक नोट की झलक दिखाई। नोट में जानकारी दी गई

इस नोट में लिखा है, प्रिय सोनल, हम आपको मिर्जापुर की टीम में जगह पाकर बहुत उत्साहित हैं। हम पर्दे पर आपके अभिनय का जादू को देखने के लिए बेताब हैं। सोनल ने अपनी पोस्ट में लिखा, मैं मिर्जापुर: द फिल्म में शामिल होने के लिए बेहद उत्साहित हूं। इस टीम का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हुई और मैं आप सभी को यह देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रही हूं कि हम पर्दे पर क्या-क्या दिखाने वाले हैं। इस आइकॉनिक फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनाने के लिए आप सभी का धन्यवाद।

इस फिल्म की शूटिंग वाराणसी में शुरू हो चुकी है। इस फिल्म में अली फजल एक बॉडी बिल्डर के रूप में दिखाई देंगे, इसके लिए उन्होंने जमकर ट्रेनिंग भी ली है। क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'मिर्जापुर' में गद्दी के लिए

लड़ते बाहुबलियों की दुनिया को दिखाया जाएगा। यह फिल्म 2026 में रिलीज होगी। इस फिल्म से सीरीज के किरदारों की बड़े पर्दे पर वापसी होगी। इसमें कालीन भैया के रूप में पंकज त्रिपाठी, गुड्डू के रूप में अली फजल और मुन्ना के रूप में दिव्येंदु शर्मा जैसे कलाकार दिखाई देंगे। फिल्म में श्वेता त्रिपाठी गोलू गुप्ता के रोल को निभाती दिखाई देंगी और रसिका दुग्गल फिल्म में अपने बीना त्रिपाठी के किरदार में दिखाई देंगी। इस सीरीज की शूटिंग उत्तर प्रदेश में मुख्यतः मिर्जापुर, जौनपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, लखनऊ, रायबरेली, गोरखपुर और वाराणसी जैसे शहरों में हुई थी। इस बार भी इसकी शूटिंग इन्हीं जिलों में हो रही है। फिल्म में जितेंद्र कुमार, रवि किशन और मोहित मलिक जैसे नए कलाकार भी हैं।

कपिल शर्मा संग किस-कस को प्यार करूं 2 में दिखेंगी पारुल गुलाटी, शेयर किया अपना अनुभव

मनोरंजन जगत में लंबे समय तक मेहनत और संघर्ष के बाद जब किसी कलाकार को बड़ा मौका मिलता है, तो वह न सिर्फ उनके करियर का बल्कि उनके जीवन का भी अहम मोड़ बन जाता है। अभिनेत्री पारुल गुलाटी के लिए यह पल अब आ चुका है। करीब 15 साल के सफर के बाद, वह आखिरकार अपनी पहली बॉलीवुड थियेट्रिकल फिल्म के साथ बड़े पर्दे पर उतरने जा रही हैं। फिल्म का नाम है किस किस को प्यार करूं 2, जिसमें वह भारत के कॉमेडी किंग कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन साझा करेंगी।

इस मौके को लेकर आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा कि उन्हें लगता है जैसे उनकी मेहनत का हर छोटा कदम अब एक सुंदर इनाम में बदल गया है। पारुल ने कहा, इतने वर्षों में मैंने कई अलग-अलग प्रोजेक्ट्स में काम किया, लेकिन थिएटर में फिल्म रिलीज होना हर अभिनेता का सपना होता है। जिंदगी जैसे अब एक चक्र पूरा कर चुकी है। इतने सालों में बहुत कुछ किया, पर बड़ी स्क्रीन पर खुद को देखना हर कलाकार के लिए जादुई पल होता है। इस बार यह जादू और

भी खास है, क्योंकि मेरे साथ इस फिल्म में कपिल शर्मा हैं, जो अपने हास्य और टाइमिंग के लिए पूरे देश में जाने जाते हैं। उन्होंने आगे कहा, मेरे लिए कई मायनों में यह बेहद खास है। मैं पहली बार कॉमेडी की दुनिया में कदम रख रही हूं और इस अनुभव को लेकर बेहद उत्साहित हूं। मैं इस फिल्म के जरिए सीखने और जीने के नए तरीके दर्शकों को दिखाने जा रही हूं। यह सिर्फ एक फिल्म नहीं बल्कि एक नया अध्याय है, जो मेरे करियर की दिशा को और ऊंचाई देगा।

मेट्रो बाजार

अदाणी समूह में अमेरिकी निवेशकों की बड़ी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। अदाणी समूह में भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का निवेश सुर्खियों में है। लेकिन हाल के आंकड़े दिखाते हैं कि अरबपति गौतम अदाणी की कंपनियों में सबसे बड़े निवेश एलआईसी से नहीं, बल्कि प्रमुख अमेरिकी और वैश्विक बीमा कंपनियों से आए हैं।

जून 2025 में एलआईसी ने अदाणी पोर्ट्स एंड एसईजेड में 57 करोड़ डॉलर यानी करीब 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया था। इसके एक महीने बाद अमेरिका की एथेन इंश्योरेंस ने अदाणी के मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे में 6,650 करोड़ रुपये (75 करोड़ डॉलर) का कर्ज निवेश किया। इस निवेश में कई बड़ी विदेशी बीमा कंपनियां भी शामिल थीं। एथेन की मूल कंपनी अपोलो ग्लोबल मैनेजमेंट ने 23 जून को बताया था कि उसके प्रबंधित फंड, सहयोगी और अन्य निवेशकों ने मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के लिए 75 करोड़ डॉलर का निवेश पूरा किया है। यह अपोलो की तरफ से मुंबई एयरपोर्ट के लिए दूसरी बड़ी फंडिंग थी। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड ने डीबीएस बैंक, डीजेड बैंक, राबोबैंक और बैंक सिनोपैक कंपनी लिमिटेड समेत कई अंतरराष्ट्रीय बैंकों से करीब 25 करोड़ डॉलर का कर्ज जुटाया है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स की अगस्त की रिपोर्ट के मुताबिक, अदाणी समूह ने साल की पहली छमाही में अपनी बंदरगाह, नवीकरणीय ऊर्जा, मुख्य कंपनी और बिजली पारेषण इकाइयों के लिए कुल मिलाकर 10 अरब डॉलर से ज्यादा के नए कर्ज समझौते किए हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को एजीआर बकाए पर दोबारा से विचार करने की अनुमति दी

नई दिल्ली। देश की बड़ी दूरसंचार कंपनियों में से एक वोडाफोन-आइडिया (वीआई) के लिए सोमवार को सुप्रीम कोर्ट से राहत भरी खबर आई। शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को वीई पर 9,450 करोड़ रुपए के एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) बकाए पर दोबारा से विचार करने की अनुमति दे दी है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट रूप से कहा है कि यह निर्णय दूरसंचार कंपनी के 20 करोड़ उपभोक्ताओं के हितों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पीठ ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद यह आदेश दिया। मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार ने दूरसंचार कंपनी में 49 प्रतिशततक इक्विटी निवेश किया है और यह निर्णय 20 करोड़ से अधिक उपभोक्ताओं की चिंताओं को देखते हुए लिया गया है। बता दें, 2019 के एक ऐतिहासिक फैसले में, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार की एजीआर की परिभाषा को सही ठहराया और केंद्र को 92,000 करोड़ रुपए का बकाया वसूलने की अनुमति दी थी, जो वोडाफोन और भारती एयरटेल जैसी प्रमुख दूरसंचार कंपनियों के लिए एक बड़ा झटका था। वोडाफोन की नई याचिका में दूरसंचार विभाग द्वारा उठाई गई 9,450 करोड़ रुपए की नई एजीआर मांग का मुद्दा उठाया गया है। याचिका में तर्क दिया गया है कि मांग का एक बड़ा हिस्सा 2017 से पहले की अवधि का है, जिसका निपटारा सुप्रीम कोर्ट पहले ही कर चुका है। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने अदालत को बताया कि सरकार द्वारा वोडाफोन में इक्विटी निवेश करने के कारण मामले की ÷परिस्थितियों में भारी बदलाव÷ आया है।

न्यूज विंडो

कार्तिक माह में भगवान महाकाल की निकली पहली सवारी

उज्जैन । श्रावण-भाद्रपद माह की तरह श्री महाकालेश्वर भगवान की कार्तिक माह में पहली सवारी गत दिवस महाकालेश्वर मंदिर से निकाली गयी। सवारी निकलने के पूर्व मंदिर के सभामण्डकप में भगवान श्री मनमहेश का विधिवत पूजन अर्चन किया गया। पूजन शासकीय पुजारी घनश्याम शर्मा द्वारा किया गया। पूजन-अर्चन के दौरान मंदिर प्रबंध समिति के कलेक्टर एवं अध्यक्ष रोशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, प्रशासक प्रथम कौशिक, आदि उपस्थित थे।सवारी जैसे ही मंदिर के मुख्य द्वार पर पहुंची, पालकी में विराजित भगवान श्री मनमहेश जी को पुलिस के जवानों द्वारा सलामी दी गयी। तत्पश्चारत भगवान श्री मनमहेश अपनी प्रजा का हाल जानने भ्रमण पर निकले।

अमेरिका में लॉरेंस गैंग का एक और गुर्गा जग्गा गिरफ्तार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान पुलिस ने एक और बड़ी कामयाबी हासिल की है। कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के एक सक्रिय गुर्गे को अमेरिका में गिरफ्तार करवाया है। एक सप्ताह में यह दूसरी बड़ी कार्रवाई है जब अमेरिका में दो गुर्गों की गिरफ्तारी करवाई गई है। एडीजी दिनेश एमएन ने बताया कि पिछले दिनों अमित शर्मा को गिरफ्तार करवाया था और अब जगदीप सिंह उर्फ जग्गा को गिरफ्तार करवाया है। अब उन गैंगस्टर को अमेरिका से भारत लाने का प्रयास किया जा रहा है।एडीजी दिनेश एमएन का कहना है कि आरोपी जगदीप सिंह उर्फ जग्गा पंजाब और राजस्थान में वांटेड था। पंजाब में उसके खिलाफ करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज हैं जबकि राजस्थान के जोधपुर में उसके खिलाफ दो मुकदमे दर्ज हैं। पंजाब कोर्ट ने जग्गा को उद्घोषित अपराधी घोषित कर रखा है जबकि राजस्थान में भी न्यायालय द्वारा गिरफ्तारी वारंट जारी किए हुए हैं। एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स पिछले कई महीनों से जग्गा पर निगरानी रख रही थी। पिछले दिनों अमित की गिरफ्तारी के बाद जग्गा के बारे में अहम जानकारी मिल गई जिसके बाद राजस्थान पुलिस ने अमेरिका की एजेंसी से संपर्क किया।

गोरखपुर में छठ पूजा के दौरान तालाब में डूबने से दो लोगों की मौत

गोरखपुर, एजेंसी। छठ महापर्व की खुशी आज की भोर में दो परिवार के लिए मातम में बदल गई।गोला और बड़हलगंज क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर

अर्घ्य और स्नान के दौरान किशोर समेत दो लोगों की डूबने से मौत हो गई। परिजनों का रो - रोकर बुरा हाल है। गोला के डांडी खास गांव में मंगलवार सुबह छठव्रतियों के साथ अर्घ्य देने पहुंचे 35 वर्षीय चंदन पुत्र बाबूलाल की पोखरे में डूब गए। घटना सुबह करीब छह बजे तब हुई जब व्रती महिलाएं अर्घ्य दे रही थीं। चंदन भी अर्घ्य देने के बाद स्नान करने लगे। स्नान के दौरान पैर फिसलने से वह गहरे पानी में चले गए।ग्रामीणों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक वह डूब चुका था। काफी प्रयास के बाद उन्हें बाहर निकाला गया।गोला सीएचसी ले जाने पर डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, चंदन के परिवार में कोई भी छठ व्रती नहीं था।दूसरी घटना बड़हलगंज के अहिरौली (द्वितीय) गांव की है, जहां सकराखोर निवासी कमलेश (17) की तालाब में डूबकर मौत हो गई। वह अपनी मौसी के घर छठ मनाने आया था। सोमवार की रात उसने मौसी के साथ अर्घ्य दिया और मंगलवार सुबह तालाब में तैरने चला गया।गांव के कुछ युवक पहले से ही तालाब में नहा रहे थे। इसी दौरान कमलेश गहरे पानी में चला गया। युवकों ने बचाने की कोशिश की, लेकिन असफल रहे। ग्रामीणों की मदद से शव को बाहर निकाला गया।

छठ पूजा के बाद फिर शुरू हुआ चुनाव का शोर महागठबंधन का घोषणा पत्र होगा जारी

पटना, एजेंसी

छठ पर्व की समाप्ति के साथ ही बिहार में राजनीतिक सरगर्मियां एक बार फिर तेज हो गई हैं। आज से राज्य में चुनावी अभियान का नया दौर शुरू हो गया है। विपक्षी गठबंधन इंडिया ब्लॉक आज अपना घोषणापत्र जारी करने जा रहा है, जो कांग्रेस नेता राहुल गांधी के चुनाव प्रचार अभियान शुरू करने से ठीक एक दिन पहले का कदम है।

छठ पर्व के दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार, विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान समेत तमाम नेता अपने परिवारों के साथ राज्य का सबसे बड़ा पर्व मनाने में व्यस्त रहे। त्योहार खत्म होते ही राजनीतिक बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है।

तेजस्वी ने केंद्र पर साधा निशाना

तेजस्वी यादव ने फेसबुक लाइव के जरिए केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने त्योहारों की भीड़ को देखते हुए 12,000 ट्रेनें चलाने का झूठा दावा किया, जबकि स्टेशन और ट्रेनों में अफरातफरी मची है। तेजस्वी ने अपील की कि छठ मनाने आए लोग अभी वापस न जाएं। चुनाव तक रुकें और बदलाव के लिए वोट करें।

राहुल गांधी की एंट्री से बढ़ी उम्मीदें

राहुल गांधी बुधवार से बिहार में प्रचार की शुरुआत करेंगे। वे मुजफ्फरपुर और दरभंगा में तेजस्वी यादव के साथ मंच साझा करेंगे। सीट बंटवारे में देरी के चलते बिखरे महागठबंधन में एकता दिखाने की कोशिश है।

विवाद: प्रशांत किशोर का नाम दो राज्यों वोटर लिस्ट में

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए 6 नंबवर को पहले चरण की वोटिंग होने वाली है. हालांकि इस वोटिंग से पहले ही जन सुराज के मुखिया और चुनावी रणनीतिकार प्रशांत किशोर बड़ी मुसीबत में घिरते दिख रहे हैं। चुनाव आयोग के रिकॉर्ड में यह बात सामने आई है कि पीके का नाम दो राज्यों पश्चिम बंगाल और बिहार की वोटर लिस्ट में दर्ज है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, प्रशांत किशोर का नाम कोलकाता के 121 कालीघाट रोड पते पर दर्ज है। यह वही पता है जहां तृणमूल कांग्रेस का मुख्य दफ्तर है। यह इलाका बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विधानसभा क्षेत्र भवानीपुर में आता है।

राजद का बड़ा एक्शन...

वोटिंग से पहले 27 नेताओं को पार्टी से निकाला, कई दिग्गजों पर गिरी गाज

पटना, एजेंसी। बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही सियासी हलचल तेज हो गई है। जैसे-जैसे मतदान की तारीख करीब आ रही है, वैसे-वैसे बागी नेताओं पर सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। बीजेपी और जेडीयू के बाद अब लालू प्रसाद यादव की पार्टी राजद ने भी बड़ा कदम उठाया है।

राजद ने 27 नेताओं को पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। पार्टी का कहना है कि ये सभी नेता राजद के अधिकृत उम्मीदवारों के खिलाफ चुनावी मैदान में सक्रिय थे और कुछ निर्दलीय प्रत्याशियों को भी समर्थन दे रहे थे।

पार्टी ने बयान जारी कर बताया कि परसा से सीटिंग विधायक छोटे लाल राय को पार्टी से बाहर कर दिया गया है। इनके अलावा परिहार से रितू जायसवाल, कटिहार से पूर्व विधायक राम प्रकाश महतो, मुजफ्फरपुर से पूर्व विधायक अनिल सहनी, बड़हरा से पूर्व विधायक सरोज यादव, और मुजफ्फरपुर से पूर्व विधान पार्षद गणेश भारती को भी निष्कासित किया गया है।

खेसारी लाल नचनिया हैं तो हेमा मालिनी कोई सीता मैया नहीं: ओम प्रकाश सिंह

गाजीपुर। बिहार में चुनावी माहौल गर्म है और इंडिया गठबंधन में शामिल समाजवादी पार्टी ने अपने स्टार प्रचारकों की लिस्ट जारी की है। इसमें जमानिया के विधायक और पूर्व मंत्री ओम प्रकाश सिंह भी शामिल हैं। छठ पूजा को लेकर भी वो अपने गांव और विधानसभा में तालाब, पोखरों और गंगा घाटों पर खासा सक्रिय रहे। बिहार विधानसभा चुनावों में खेसारी लाल यादव छपरा से राजद के उम्मीदवार हैं। उन्हें नचनिया कहे जाने पर ओम प्रकाश सिंह ने तीखा जवाब दिया। वह बोले कि अगर खेसारी नचनिया हैं, तो हेमा मालिनी कौन सी सीता मैया हैं अगर वह कहें कि वो भी उसी लेवल की हैं, तो यह बात आरोप लगाने वालों को कैसी लगेगी? खेसारी एक गरीब का बेटा है। भोजपुरी में बोलने वाला उन्हें (विपक्षी दल को) नचनिया दिखता है और अंग्रेजी में बोलने वाला उन्हें कलाकार समझ आता है। इसने मुंबई जाकर बिहार का नाम रोशन किया।

उदयपुर फाइल्स के निर्माता अमित जानी को बम से उड़ाने की धमकी

संभल फाइल्स फिल्म नहीं बनाने के लिए धमकाया

संभल, एजेंसी

फिल्म निर्माता अमित जानी को संभल पर फिल्म बनाने के लिए बम से उड़ाने की धमकी मिली है। खबरों के मुताबिक, अमित जानी मुरादाबाद से संभल जा रहे थे, तभी उन्हें एक अनजान नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने खुद को कश्मीर निवासी शब्बीर बताया और धमकी दी कि अगर उन्होंने संभल की हकीकत पर फिल्म बनाने की कोशिश की तो वह उन्हें बम से उड़ा देंगे। बता दें कि अमित जानी उदयपुर फाइल्स बना चुके हैं और अब संभल फाइल्स फिल्म बना रहे हैं।

धमकी से बेपरवाह अमित जानी ने तुरंत गृह मंत्री, उत्तर प्रदेश पुलिस और अन्य संबंधित अधिकारियों को घटना की सूचना दी। उन्होंने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराकर उसकी गिरफ्तारी की मांग की है। अमित जानी का कहना है कि वह किसी भी धमकी से नहीं डरते और फिल्म जरूर बनाएंगे। मीडिया से बात करते हुए अमित जानी ने कहा कि कश्मीर के शब्बीर नाम के एक व्यक्ति ने मुझे फोन पर धमकी दी कि अगर मैं संभल की हकीकत पर फिल्म बनाऊंगा तो मुझे बम से उड़ा दिया जाएगा। बिहार जा रहे हैं, वहीं तुम्हें उड़ा दूंगा।

जापान की पहली महिला प्रधानमंत्री से मिलकर बोले अमेरिकी राष्ट्रपति

ये बहुत मजबूत हैंडशेक है : ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ने जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची से गर्मजोशी के साथ मुलाकात की। इसी के साथ ट्रंप ने एशिया में अपने डिप्लोमैटिक कार्यक्रमों की शुरुआत की। दोनों नेताओं ने एक-दूसरे का अभिवादन किया। जापानी प्रधानमंत्री से मिलते हुए ट्रंप ने मुस्कुराते हुए कहा यह बहुत मज़बूत हैंडशेक है। ट्रंप के ये शब्द जापान-अमेरिका की दोस्ती में नए आयाम देने में अहम है।

ट्रंप हाल ही में कुआलालंपुर में आसियान शिखर सम्मेलन में शामिल होने के बाद अपने व्यक्तिगत कूटनीति लाभ के लिए टोक्यो पहुंचे हैं। आसियान शिखर सम्मेलन में ट्रंप ने थाईलैंड और कंबोडिया के बीच युद्धविराम का स्वागत किया। साथ ही इस सफलता का श्रेय अपनी पहल को देते हुए उन्होंने इसे शांति के लिए एक और महान दिन बताया।

ट्रंप ने जापानी पीएम से गर्मजोशी से मुलाकात की इस यात्रा के दौरान ट्रंप और ताकाइची के बीच दो प्रमुख

समझौतों पर हस्ताक्षर हुए। इसमें से एक व्यापार और दूसरा महत्वपूर्ण खनिजों पर केंद्रित था। ये समझौता दोनों देशों द्वारा आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को गहरा करने के प्रयासों मजबूती देगा। समझौते पर हस्ताक्षर से पहले ट्रंप का अकासाका पैलेस में जोरदार स्वागत किया गया। जहां, दोनों नेताओं को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। जापानी प्रतिनिधिमंडल ने ट्रंप का गर्मजोशी से स्वागत किया।

6 नवंबर को नौसेना में शामिल होगा स्वदेशी सर्वे पोत इक्षक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय नौसेना का स्वदेश निर्मित सर्वे पोत इक्षक को यहां नौसेना अड्डे पर छह नवंबर को सैन्य बेड़े में शामिल किया जाएगा।नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी की मौजूदगी में सर्वे पोतों (बड़ी श्रेणी) के इस तीसरे पोत को औपचारिक रूप से नौसेना में शामिल किया जाएगा। इक्षक का अर्थ मार्गदर्शक है। रक्षा जनसंपर्क अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।आधिकारिक बयान के अनुसार, यह पोत भारत की जल सर्वे उत्कृष्टता और स्वदेशीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड कोलकाता द्वारा पोत उत्पादन निदेशालय और युद्धपोत निरीक्षण दल (कोलकाता) की देखरेख में तैयार किए गए इक्षक में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का उपयोग किया गया है। इक्षक ऐसा पहला एसवीएल पोत है, जिसमें महिलाओं के लिए विशेष सुविधा है।

एटीएस की बड़ी कार्रवाई: अलकायदा से कनेक्शन के आरोप में इंजीनियर गिरफ्तार

पुणे, एजेंसी। महाराष्ट्र एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड ने सोमवार को पुणे के कोंढवा इलाके से एक 35 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित आतंकी संगठन अलकायदा से जुड़ाव और युवाओं को कट्टरपंथी बनाने के आरोप हैं। इस गिरफ्तारी से सुरक्षा एजेंसियों को एक बड़े आतंकी नेटवर्क का सुराग मिला है।

गिरफ्तार व्यक्ति की पहचान जुबैर हंगारगेकर के रूप में हुई है। वह मूल रूप से सोलापुर का रहने वाला है और पुणे में अपनी पत्नी व दो बच्चों के साथ रहता था। हंगारगेकर कल्याणीनगर स्थित एक आईटी फर्म में सॉफ्टवेयर टेस्टर और डेटाबेस डेवलपर के तौर पर काम करता था। पड़ोसियों के अनुसार, वह एक शांत स्वभाव का टेकी था, जो अपनी प्रोफेशनल जिंदगी में सामान्य दिखाई देता था।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि हंगारगेकर की गिरफ्तारी 9 अक्टूबर को पुणे के विभिन्न इलाकों में की गई छापेमारी से जुड़ी जांच का नतीजा है। उस दौरान कोंढवा, वानवाड़ी और भोसेरी में सर्च ऑपरेशन चला, जिसमें 19 लैपटॉप और 40 मोबाइल फोन जब्त किए गए थे। फॉरेंसिक जांच में हंगारगेकर के लैपटॉप से अलकायदा से संबंधित चरमपंथी साहित्य और रेडिकलाइजेशन के लिए इस्तेमाल होने वाली डिजिटल सामग्री बरामद हुई।

जांच में ये आया सामने

अलकायदा कनेक्शन: प्रारंभिक जांच में पाया गया कि हंगारगेकर पाकिस्तान-आधारित अलकायदा के सदस्यों या अन्य चरमपंथी संगठनों के संपर्क में था। वह महाराष्ट्र और अन्य शहरों में एंटी-नेशनल गतिविधियां और आतंकी साजिश रचने की योजना बना रहा था।

रेडिकलाइजेशन का आरोप: आरोपी पर युवाओं को ऑनलाइन चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित करने का शक है। उसके सोशल मीडिया एक्टिविटीज और संदिग्ध कम्युनिकेशंस पर नजर थी।

चेनई कनेक्शन: हंगारगेकर और उसके एक दोस्त हाल ही में चेनई गए थे, जहां उन्होंने एक सोशल इवेंट में हिस्सा लिया। पुणे रेलवे स्टेशन पर लौटते ही दोनों को हिरासत में लिया गया। दोस्त को पूछताछ के लिए हिरासत में रखा गया है।

राजस्थान में फिर मिला सोने का भंडार

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के आदिवासी जिले बांसवाड़ा में लगातार तीसरी बार सोने का भंडार मिला है। भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण विभाग (जीएसआइ) की जांच में जिले के कांकरिया इलाके के चार गांवों के करीब तीन किलोमीटर क्षेत्र में 1.20 टन सोने के भंडार होने का अनुमान है। साथ ही तांबा, कोबाल्ट और अन्य भंडार होने के भी संकेत हैं।जीएसआइ की प्रारंभिक जांच के बाद अब सरकार ने क्षेत्र में गहन सर्वे करवाने का निर्णय लिया है। इसके लिए केंद्र सरकार ने विभिन्न निजी कंपनियों से आवेदन मांगे थे। 14 अक्टूबर को आवेदन करने की अंतिम तारीख थी। अब तीन नवंबर को आवेदन खोले जाएंगे। इसके बाद सबसे अधिक बोली लगाने वाली कंपनी को क्षेत्र में सर्वेक्षण के लिए लाइसेंस जारी किया जाएगा।

मेट्रो एंकर दिल्ली-एनसीआर में लांग टर्म प्लान पर काम करने की जरूरत

हर साल विकराल हो रही है प्रदूषण की समस्या

नोएडा, एजेंसी

सर्दी आने के साथ ही वायु प्रदूषण पर चिंता जाहिर करने की शुरुआत हो जाती है। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण की समस्या हर वर्ष और विकराल रूप ले रही है, लेकिन इस पर शार्ट टर्म प्लानिंग पर काम कर इतिश्री कर दी जाती है। जबकि वायु प्रदूषण से निपटने के लिए लांग टर्म प्लान पर काम करने की जरूरत है। ये कहना है केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के पूर्व अपर निदेशक डॉ. एस. के. त्यागी का।

उन्होंने जागरण विमर्श कार्यक्रम में इस बात पर प्रमुखता से जोर दिया कि वायु प्रदूषण के मानकों में भी बदलाव किए जाने चाहिए। वायु प्रदूषण में अब वाष्पशील कार्बनिक रसायन की जांच को प्रमुखता से शामिल करना चाहिए।

हवा में 'जहर' कितना है, इसको अब प्रमुखता से खोजने की जरूरत है।

डॉ. त्यागी ने आगे बताया कि वायु प्रदूषण में अब वाष्पशील कार्बनिक रसायन (वीओसी) को भी शामिल किया जाना चाहिए। ये कमरे के तापमान पर वाष्पशील हो जाते हैं और हवा में ग्राउंड लेवल पर ही पाए जाते हैं। वीओसी से ओजोन लेयर और सेकेंड्री आर्गेनिक एयरोसोल (एसओए) का निर्माण होता है। पीएम-2.5 में इनका योगदान 30 प्रतिशत तक है।

कोविड के दौरान जब वायु प्रदूषण बेहद कम हो गया था, उस दौरान भी इसमें कमी नहीं आई थी। अमेरिका जैसे देशों में इनकी मॉनिटरिंग के लिए 90 से ज्यादा सेंटर हैं, जबकि भारत में अब तक इसकी शुरुआत भी नहीं हुई है। देश में अब भी वायु प्रदूषण को मापने के लिए सिर्फ वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) पर बात की जाती है, जबकि दुनिया में अब तीन तरह से वायु प्रदूषण की जांच की जा रही है। डॉ. त्यागी ने इस बात पर जोर दिया कि एक्यूआई के मानक वर्ष 2009 और वायु प्रदूषण के मानक 2015 में बनाए गए थे। हर वर्ष वायु प्रदूषण में तेजी से बदलाव हो रहा है। ऐसे में वर्षों पुराने मानकों के आधार पर विश्लेषण से मौजूदा समय में वायु प्रदूषण की स्थिति से निपटा नहीं जा सकता है।

सौगात: उत्तराखंड में पेंशनरों को अब 58% महंगाई भत्ता

देहरादून। प्रदेश सरकार ने राजकीय कर्मचारियों के बाद सातवां वेतनमान के अंतर्गत पेंशनर एवं पारिवारिक पेंशनर के लिए भी महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि कर दी। उन्हें अब 55 प्रतिशत के स्थान पर 58 प्रतिशत महंगाई राहत दी जाएगी। वित्त सचिव दिलीप जावलकर ने इस संबंध में सोमवार को आदेश जारी किया।

शासन ने विगत 11 अक्टूबर को सातवां वेतनमान ले रहे राजकीय कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में तीन प्रतिशत की वृद्धि की थी। अब पेंशनर को भी राहत दी गई है। इससे लगभग 40 हजार पेंशनर लाभान्वित होंगे। उन्हें एक जुलाई, 2025 से महंगाई राहत दी गई है।

फर्जी जानकारी फैला रहे थे पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ, एक्स ने खोल दी पोल

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर झूठ फैला रहे थे, लेकिन इस बीच एक्स ने ही उनकी फजीहत कर दी।दरअसल, शहबाज ने कहा अपने एक पोस्ट में भारत पर जम्मू-कश्मीर में आक्रमण का आरोप लगाया और कहा कि वहां मानवाधिकार उल्लंघन हो रहे हैं।पाकिस्तान पीएम शहबाज शरीफ ने पोस्ट में लिखा, हर साल 27 अक्टूबर कश्मीर के इतिहास का सबसे काला दिन होता है। 78 साल पहले, इसी दिन भारतीय सेना श्रीनगर पहुंची और उस पर कब्जा कर लिया।शहबाज ने लिखा, लगभग आठ दशकों से, भारत की ओर से अवैध रूप से अधिकृत जम्मू और कश्मीर के लोगों ने भारी कष्ट और उत्पीड़न सहा है।इस पोस्ट पर एक्स कम्युनिटी नोट्स ने फैक्ट चेक कर दिया।

इसमें लिखा गया, ये भ्रामक खबर है। महाराजा हरि सिंह 26 अक्टूबर 1947 को भारत में शामिल होने के लिए तैयार थे। इस समझौते पर हस्ताक्षर के बाद भारत ने क्षेत्र की रक्षा के लिए 27 अक्टूबर 1947 को श्रीनगर में सेना भेजी थी। कम्युनिटी नोट्स में उस दस्तावेज को दिखाया गया है जिसमें महाराजा हरि सिंह ने जम्मू-कश्मीर का विलय भारत के साथ करने पर सहमति जताई थी।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564